मुंबई (महाराष्ट्र) से प्रकाशित
हिन्दी दैनिक
उत्तरशक्ति
हर खबर निष्पक्षता के साथ
मुंबई
वर्षः 8 अंक 22
सोमवार, 28 जुलाई 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

सांस्कृतिक विरासत और राष्ट्र सुरक्षा सर्वोपरिः पीएम मोदी

तमिलनाडु, 27 जुलाई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज तमिलनाडु के गंगईकोंडा चोलपुरम मंदिर में आयोजित आदि तिरुवथिराई महोत्सव में हिस्सा लिया। इस अवसर पर उन्होंने भारतीय संस्कृति, ऐतिहासिक विरासत और राष्ट्र की सुरक्षा को लेकर महत्वपूर्ण संबोधन दिया, जिसमें उन्होंने 140 करोड़ भारतीयों के कल्याण और देश की निरंतर प्रगति के लिए प्रार्थना की।

कार्यक्रम के दौरान जनता को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा, 'मैं तो काशी का सांसद हूं और जब मैं 'ॐ नमः शिवाय' सुनता हूं तो रोंगटे खड़े हो जाते हैं। शिव दर्शन की अद्भुत ऊर्जा, श्री इलैयाराजा का संगीत और मंत्रोच्चार, यह आध्यात्मिक अनुभव मन को भावविभोर कर देता है।' उन्होंने भगवान शिव से सभी पर कृपा बरसाने की प्रार्थना करते हुए 'हर हर महादेव' का जयघोष किया।

प्रधानमंत्री ने चोल राजाओं के राजनयिक और व्यापारिक संबंधों के विस्तार का उल्लेख किया, जो श्रीलंका, मालदीव और दक्षिण-पूर्व एशिया तक फैले हुए थे। उन्होंने इस बात पर भी गौर किया कि वे एक दिन पहले ही मालदीव से लौटे हैं। पीएम मोदी ने कहा कि चोल साम्राज्य का इतिहास और उसकी विरासत भारत के वास्तविक सामर्थ्य का प्रतीक है और यह उस भारत के सपने की प्रेरणा है, जिसे लेकर आज हम विकसित भारत के लक्ष्य की ओर आगे बढ़ रहे हैं।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि चोल राजाओं ने भारत को सांस्कृतिक एकता में पिरोया था

और आज केंद्र सरकार चोला युग के उन्हीं विचारों को आगे बढ़ा रही है। उन्होंने काशी-तमिल संगमम और सौराष्ट्र-तमिल संगमम जैसे आयोजनों का उदाहरण दिया, जिनके माध्यम से सदियों पुराने एकता के सूत्रों को मजबूत किया जा रहा है।

पीएम मोदी ने देश की नई संसद के लोकार्पण समारोह को भी याद किया, जहां शिव आदीनम के संतों ने आध्यात्मिक नेतृत्व किया था और तमिल संस्कृति से जुड़े 'सेंगोल' को संसद में स्थापित किया गया था। उन्होंने कहा, 'मैं आज भी उस पल को याद करता हूं तो गौरव से भर जाता हूं।'

प्रधानमंत्री ने चोल युग में भारत द्वारा छुए गए आर्थिक और सामरिक उन्नति के शिखर को आज भी प्रेरणादायक बताया। उन्होंने राजराजा चोल द्वारा एक शक्तिशाली नौसेना के निर्माण और राजेंद्र चोल द्वारा इसे और सुदृढ़ करने का उल्लेख किया।

वर्तमान भारत की सुरक्षा प्राथमिकताओं पर प्रकाश डालते हुए पीएम मोदी ने कहा, 'आज का भारत अपनी सुरक्षा को सर्वोपरि मानता है।' उन्होंने 'ऑपरेशन सिंदूर' का जिक्र किया और कहा कि दुनिया ने देखा है कि अगर कोई भारत की सुरक्षा और संप्रभुता पर हमला करता है, तो भारत उसे उसी की भाषा में जवाब देना जानता है। उन्होंने दृढ़ता से कहा कि इस ऑपरेशन ने साफ कर दिया है कि अब भारत के दुश्मनों और आतंकवादियों के लिए दुनिया में कोई जगह सुरक्षित नहीं है।

सुरक्षाबलों और माओवादियों के बीच मुठभेड़ जारी, चार माओवादियों का शव बरामद

बीजापुर, 27 जुलाई। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में सुरक्षाबलों और माओवादियों के बीच जारी मुठभेड़ में अब तक चार माओवादियों के शव बरामद किये गये हैं। पुलिस अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि जिले के दक्षिण-पश्चिमी क्षेत्र में माओवादियों की मौजूदगी की जानकारी मिलने पर सुरक्षाबलों को नक्सल विरोधी अभियान के लिए रवाना किया गया था। उन्होंने बताया कि इस अभियान के दौरान शाम (शनिवार) से ही सुरक्षाबलों और माओवादियों के बीच रुक-रुक कर मुठभेड़ जारी है। अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षाबलों ने अब तक मुठभेड़ स्थल से चार माओवादियों के शव और इंसास, एसएलआर राइफलों सहित कई अन्य हथियार, विस्फोटक सामग्री व दैनिक उपयोग की वस्तुएं बरामद की हैं।

उन्होंने बताया कि चूंकि अभियान अभी भी जारी है, इसलिए मुठभेड़ के स्थान, अभियान में शामिल सुरक्षाबलों की संख्या तथा अन्य संवेदनशील जानकारी इस समय साझा नहीं की जा सकती।

अधिकारियों ने बताया कि अभियान पूरी होने के बाद विस्तृत जानकारी दी जाएगी।

पलानीस्वामी ने प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात की

नई दिल्ली, 27 जुलाई। ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र (अन्नाद्रमुक) के महासचिव ई के पलानीस्वामी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से शनिवार रात यहां हवाई अड्डे पर मुलाकात की। पार्टी ने यह जानकारी दी।

पलानीस्वामी ने शनिवार रात हवाई अड्डे पर प्रधानमंत्री का स्वागत किया और कुछ मिनट तक उनसे बातचीत की। इस साल अप्रैल में अन्नाद्रमुक और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के बीच चुनावी गठबंधन होने के बाद पलानीस्वामी की प्रधानमंत्री से यह पहली मुलाकात थी।

यह मुलाकात अन्नाद्रमुक के इस दावे के मद्देनजर भी महत्वपूर्ण है कि 2026 के विधानसभा चुनाव में उसे बहुमत मिलेगा और वह अपने दम पर सरकार बनाएगी, जबकि भाजपा अपने

इस रुख पर अड़ी हुई है कि अगर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) चुनाव जीतता है तो वह सरकार का हिस्सा होगी।

तमिल मानिला कांग्रेस (मूपनार) के शीर्ष नेता जी के वासन भी प्रधानमंत्री की अगवानी के लिए हवाई अड्डे पर मौजूद थे। अन्नाद्रमुक समर्थक एक टेलीविजन चैनल से विशेष बातचीत के दौरान पलानीस्वामी ने प्रधानमंत्री मोदी के स्वागत के दौरान उनसे हुई संक्षिप्त बातचीत को शानदार बताया। प्रधानमंत्री मोदी लगभग 4,900 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का उद्घाटन करने के बाद शनिवार रात तूतीकोरिन से यहां पहुंचे।

मनसा देवी मंदिर में भगदड़ से 6 श्रद्धालुओं ने गंवाई जान

हरिद्वार, 27 जुलाई। उत्तराखंड के हरिद्वार में स्थित प्रसिद्ध मनसा देवी मंदिर में रविवार सुबह एक भीषण भगदड़ मच गई, जिसमें कम से कम छह श्रद्धालुओं की मौत हो गई और कई अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को तत्काल इलाज के लिए स्थानीय अस्पतालों में भर्ती कराया जा रहा है। इस दुखद घटना के बाद राज्य में शोक का माहौल है।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, श्रावण मास के चलते मनसा देवी मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी हुई थी। पुलिस के वरिष्ठ अधीक्षक (एसएसपी) प्रमेंद्र सिंह डोभाल ने बताया कि भगदड़ मंदिर मार्ग से लगभग 100 मीटर नीचे सीढ़ियों पर बिजली का झटका लगने की अफवाह फैलने के बाद मची। इस अफवाह के कारण लोगों में अफरा-तफरी मच गई, जिसके परिणामस्वरूप भगदड़ जैसी स्थिति उत्पन्न हो गई। हालांकि, भगदड़ के सटीक और विस्तृत कारणों की पुष्टि के लिए पुलिस द्वारा गहन जाँच जारी है।

एसएसपी डोभाल ने जानकारी दी, 'हमें कुछ लोगों के घायल होने की सूचना मिली थी, जिसके बाद पुलिस ने तुरंत कार्रवाई की। लगभग 35 लोगों को अस्पताल लाया गया, और दुर्भाग्यवश, छह लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है। बाकी घायलों का इलाज चल रहा है।' उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने इस हादसे पर तुरंत संज्ञान लिया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में बताया कि राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ), स्थानीय पुलिस और अन्य बचाव दल घटनास्थल पर पहुँच गए हैं और राहत एवं बचाव कार्य तेजी से जारी है।

मुख्यमंत्री धामी ने लिखा, 'एसडीआरएफ, स्थानीय पुलिस और अन्य बचाव दल घटनास्थल पर पहुँच गए हैं और राहत एवं बचाव कार्य में लगे हुए हैं। मैं इस मामले को लेकर स्थानीय प्रशासन के लगातार संपर्क में हूँ और स्थिति पर कड़ी नजर रखी जा रही है।' उन्होंने प्रशासन को घायलों के समुचित इलाज और मृतकों के परिजनों को हर संभव सहायता प्रदान करने के निर्देश दिए हैं।

इस भगदड़ में घायल हुए एक श्रद्धालु ने अपनी आपबीती सुनाते हुए बताया, 'अचानक वहाँ भारी भीड़ जमा हो गई और भगदड़ मच गई। इस दौरान मैं गिर गया और मेरा हाथ टूट गया। उनके बयान से घटना की भयावहता का अंदाजा लगाया जा सकता है।

तेज प्रताप यादव का बड़ा ऐलान, निर्दलीय लड़ेंगे चुनाव

पटना, 27 जुलाई। बिहार की राजनीति में एक नया मोड आ गया है। राष्ट्रीय जनता दल से हाल ही में निष्कासित हुए पूर्व मंत्री तेज प्रताप यादव ने घोषणा की है कि वह आगामी विधानसभा चुनाव में वैशाली जिले की महुआ सीट से निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ेंगे। तेज प्रताप यादव वर्तमान में समस्तीपुर जिले की हसनपुर सीट से विधायक हैं।

शनिवार शाम को अपने आवास पर पत्रकारों से बात करते हुए, तेज प्रताप ने अपने इरादे साफ कर दिए। उन्होंने कहा, 'हां, इस बार मैं महुआ विधानसभा सीट से निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ूंगा। मेरे विरोधियों को जरूर खुजली होने लगी होगी।' उन्होंने दावा किया कि उन्हें जनता का भरपूर समर्थन

मिल रहा है और बडी संख्या में लोग उनके 'टीम तेज प्रताप यादव' नामक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से जुड रहे हैं, जिसके जरिए वे लोगों तक पहुंच रहे हैं।

तेज प्रताप यादव ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर भी निशाना साधा। उन्होंने दावा किया कि विधानसभा चुनाव के बाद नीतीश कुमार अपना मुख्यमंत्री पद नहीं बचा पाएंगे। उन्होंने कहा, 'मुझे पूरा विश्वास है कि 'चाचा' (नीतीश) मुख्यमंत्री नहीं बनेंगे... जो लोग सरकार बनाएंगे, अगर वे युवाओं, रोजगार, शिक्षा और स्वास्थ्य की बात करेंगे, तो तेज प्रताप यादव उनके साथ खडे होंगे।' यह बयान बिहार की भविष्य की राजनीतिक दिशा को लेकर उनकी अपनी शर्तों को दर्शाता है। तेज प्रताप यादव को उनके पिता लालू प्रसाद यादव ने 25 मई को राजद से छह साल के लिए निष्कासित कर दिया था। यह निष्कासन एक दिन पहले ही हुआ था जब उन्होंने कथित तौर पर सोशल मीडिया पर अनुष्का नाम की एक महिला के साथ 'रिश्ते' में होने की बात कबूल की थी। हालांकि, बाद में उन्होंने उस फेसबुक पोस्ट को यह कहते हुए हटा दिया था कि उनका पेज 'हैक' हो गया था। लालू प्रसाद ने भी तेज प्रताप के 'गैर-जिम्मेदाराना व्यवहार' के कारण उन्हें त्याग दिया था पार्टी से निष्कासन के कुछ दिनों बाद, तेज प्रताप ने आरोप लगाया था कि उनके और उनके छोटे भाई तेजस्वी यादव के बीच दरार डालने की 'साजिश' रची जा रही है। उन्होंने अपने एक्स (पहले ट्विटर) हैंडल पर कुछ पोस्ट में अपनी भावनाएं व्यक्त की थीं और इस संकट के लिए 'जयचंद' को जिम्मेदार ठहराया था।

रेव पार्टी में पूर्व मंत्री के दामाद की गिरफ्तारी से हड़कंप, सीएम फडणवीस ने दी प्रतिक्रिया

पुणे, 27 जुलाई। पुणे शहर के खराडी इलाके में शनिवार देर रात एक रेव पार्टी पर पुणे पुलिस की छापेमारी के बाद महाराष्ट्र के राजनीतिक गलियारों में हडकंप मच गया है। इस कार्रवाई में महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री एकनाथ खडसे के दामाद प्रांजल खेवलकर सहित कुल सात लोगों को हिरासत में लिया गया है। पुलिस ने मौके से गांजा, शराब और हुक्का जैसे कई नशीले पदार्थ भी जब्त किए हैं।

घटना की गंभीरता को देखते हुए, राज्य के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने भी इस मामले पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। मुख्यमंत्री ने नागपुर में मीडिया से बात करते हुए कहा, 'मैंने भी इस खबर को सिर्फ मीडिया में ही देखा है। मैं सुबह से ही कार्यक्रमों में शामिल रहा हूं, इसलिए मुझे अभी तक इसकी कोई खास जानकारी नहीं मिली है। मीडिया में जो दिखाया जा रहा है, उसके आधार पर पुलिस ने एक रेव पार्टी का भंडाफोड किया है और वहां कुछ लोग पाए गए हैं। बताया जा रहा है कि वहां ड्रग्स भी मिले हैं। एक बार मुझे पूरी जानकारी मिल जाए, तो मैं इस पर कोई टिप्पणी कर पाऊंगा। प्रथम दृष्टया, ऐसा लगता है कि उस जगह पर कोई अपराध हुआ है।'डीसीपी क्राइम निखिल पिंगले ने बताया कि लगभग 3:30 बजे, पुलिस टीम ने आईटी हब के पास एक पॉश इलाके में छापा मारा। वहां से लगभग 2.7 ग्राम कोकीन जैसा दिखने वाला पदार्थ, लगभग 70 ग्राम गांजा, 10 मोबाइल फोन, 2 चार पहिया वाहन, हुक्का पॉट, शराब, बीयर की बोतलें और हुक्का फ्लेवर बरामद किए गए हैं। कुल सात आरोपियों में दो महिलाएं भी शामिल हैं।

आर के मीडिया
हिन्दी दैनिक न्यूज पेपर, साप्ताहिक न्यूज पेपर, हिन्दी मासिक पत्रिका का पेज बनबाने के लिए
सम्पर्क करेः 9199355950

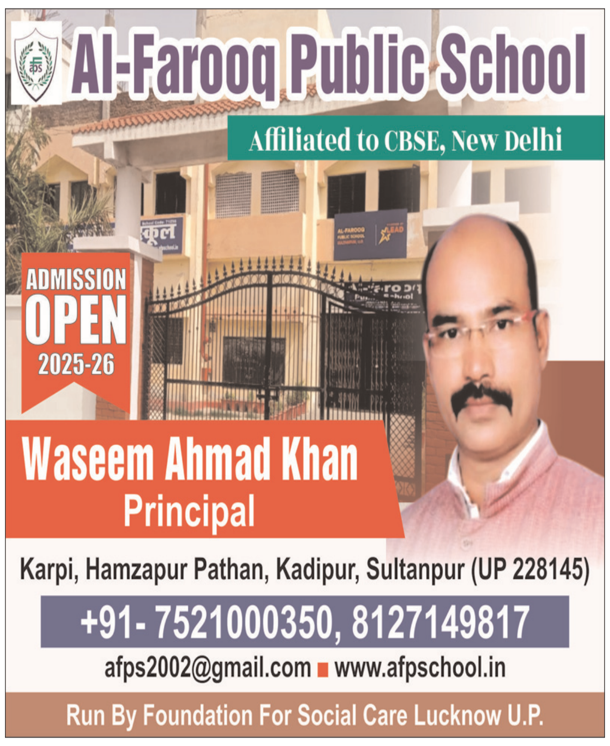

अमेरिकी हस्तक्षेप से मुक्ति की दिशा में मध्य एशिया

-तनवीर जाफरी

इस्राईल को लंबे समय से मिल रहे अमेरिकी संरक्षण से वैसे तो पूरी दुनिया भली भांति वाकिफ है। परन्तु अब इस अमेरिकी संरक्षण के चलते इस्राईल खासतौर से गजा में जिसतरह मानवता की लगातार बर्बर हत्या करता जा रहा है उसे देखकर दुनिया के अधिकांश देश न केवल इस्राईल के खिलाफ होते जा रहे हैं बल्कि उन्हें इस्राईल को दिया जाने वाला अमेरिकी संरक्षण भी अब रास नहीं आ रहा है। वास्तव में शांतिप्रिय मध्य एशिया में तबाही, बबार्दी व अशांति की इबारत लिखने वाला अमेरिकी संरक्षित इस्राईल ही है। 7 अक्टूबर 2023 को जब से दक्षिणी इस्राइल पर हमास द्वारा हमले किये गये और 251 लोगों को बंधक बनाया गया उसके बाद इस्राईली सेना (आईडीएफ) ने हमास की आतंकी कार्रवाई के जवाब में जिस तरह गजा पट्टी में बड़े पैमाने पर सैन्य कार्रवाई शुरू की और आज तक जारी है उसने इस्राईल व अमेरिका के अमानवीय चेहरे को पूरी तरह उजागर कर दिया है। गजा में बर्बरता और अत्याचार की हर सीमाओं को इस्राईल पार कर चुका है। रिहाइशी बस्तियों अस्पतालों स्कूलों शरणार्थी कैंपों धर्मस्थलों आदि को खंडहर बनाने के बाद अब भूखे निहत्थों को मार रहा है।

खबर है कि गजा में गजा ह्यूमनटेरियन फाउंडेशन (जीएचएफ) की ओर से बांटा जा रहा खाना बहुत कम लोगों तक पहुंचने के कारण वहां भुखमरी की स्थिति पैदा हो गई है। कई बार ऐसी अमानवीय घटना भी घटी कि जब जीएचएफ के भोजन वितरण केंद्र पर मदद लेने के लिए भूख से तड़पते बच्चे व महिलायें भोजन की खातिर आकर लाइन में लगे उसी समय उन पर इसराइली सुरक्षा बलों ने गोलियां चला दीं जिससे दर्जनों लोग मरे गये। कई बार इस्राईली सुरक्षा बलों द्वारा भूखे शरणार्थियों को खाना देने के लिये बुलाया गया, बाद में लाइन में खड़े होने के बाद उनपर गोलीबारी कर अनेक लोगों की हत्या कर दी गई । संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार कार्यालय के अनुसार पिछले दो महीनों में भोजन हासिल करने की कोशिश कर रहे एक हजार से अधिक फिलस्तीनी, इस्राईली हमलों में मारे जा चुके हैं। इनमें से कम से कम 766 लोगों की मौत उन चार वितरण केंद्रों के आसपास हुई है, जिन्हें जीएचएफ संचालित करता है। इसके अलावा 288 लोगों की मौत संयुक्त राष्ट्र और अन्य सहायता केंद्रों के पास हुई है। सौ से अधिक सहायता संगठनों और मानवाधिकार समूहों का कहना है कि गजा में बड़े पैमाने पर मानव जनित भुखमरी फैल रही है। अंतरराष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा विशेषज्ञों ने इन हालात के लिए इस्राईल को ज़िम्मेदार ठहराया है क्योंकि वही फिलस्तीनी क्षेत्रों में भेजी जाने वाली सप्लाई को नियंत्रित करता है।

आम लोग ही नहीं बल्कि गजा में युद्ध की रिपोर्टिंग करने वाले अनेक स्थानीय व विदेशी पत्रकार व उनका परिवार भी भुखमरी का सामना करने को मजबूर है। कुछ पत्रकार तो इस हद तक असहाय हो चुके हैं कि वे अपने मासूम असहाय बच्चों व परिवार के लिए भोजन तक नहीं जुटा पा रहे हैं। गजा में काम करने वाले कुछ पत्रकार तो अपनी जान की बाजी लगाकर लाइनों में लगकर चैरिटी किचन से खाना ले रहे हैं। उनके बच्चे दिन में सिर्फ एक बार दाल, चावल या पास्ता खा कर गुजारा करने को मजबूर हैं। कुछ पत्रकारों ने तो यहाँ तक बताया कि उन्होंने भूख दबाने के लिए नमक मिला पानी पीना शुरू कर दिया है। जरा सोचिये जिन पत्रकारों की बदौलत दुनिया को इस्राईली सेना के जुल्म और गजा के लोगों की बेबसी व बबादी की खबर सुनाई व दिखाई देती थी अगर वही पत्रकार व उनका परिवार सुरक्षित नहीं रहेगा तो अमेरिकी संरक्षित इस्राईल के काले करतूत दुनिया तक कैसे पहुंचेंगे ? इन्हीं हालात में अनेक अंतर्राष्ट्रीय राहत संगठन और मानवाधिकार समूह बड़े पैमाने पर भुखमरी फैलने की चेतावनी दे रहे हैं।

एक ओर तो इस्राईल-अमेरिका फिलिस्तीनियों के अधिकारों की लड़ाई लड़ने वाले हमास को आतंकी संगठन बताकर उसकी आड़ में पूरे फिलिस्तीन पर नियंत्रण हासिल करने की फिराक में है तो दूसरी ओर यही इस्राईल-अमेरिकाअहमद हुसैन अल-शरा, जिसे अबू मोहम्मद अल-जुलानी के नाम से भी जाना जाता है,को सीरिया में बशर अल असद का तख़्ता पलटकर उसे अंतरिम राष्ट्रपति बना देता है। यह वही जुलानी है जिसपर कुछ समय पहले तक अमेरिका ने दस मिलियन डॉलर का ईनाम घोषित कर रखा था। क्योंकि वह अलकायदा से जुड़ा था। 2017 में उसने अन्य कई आतंकी संगठनों के साथ मिलाकर हयात तहरीर अल-शाम ल्ळर नामक संगठन बना लिया था। अमेरिका ने ल्ळर को आतंकी लिस्ट में भी रखा था। अब अमेरिका ने उसके संगठन ल्ळर को आतंकी लिस्ट से भी हटा दिया है । गोया जो व्यक्ति अमेरिका के हर विभाजनकारी इरादों में साथ रहे वह उसके लिए आतंकवादी नहीं और जो उसके और इजरायल के खिलाफ हो या अपनी स्वतंत्र नीति रखता हो वह आतंकवादी घोषित हो जाता है चाहे वह ईरान जैसा संप्रभुता संपन्न राष्ट्र ही क्यों न हो ?

बहरहाल, अमेरिका को सर्वशक्तिमान मानने वाले व अमेरिकी रहमो करम पर जीने वाले कुछ अमेरिकी पिट्ठू देशों की शासकों व तानाशाहों की बात छोड़ दें तो पूरा विश्व खासकर मध्य एशियाई देश इस बात को समझ चुके हैं कि अब समय आ गया है कि किसी भी तरह इस्राईल को सबक सिखाया जाये और मध्य एशियाई क्षेत्रों को अमेरिकी हस्तक्षेप से मुक्ति दिलाई जाये। ईरान का भय दिखाकर सुन्नी शिया मतभेदों को बढ़ावा देना दरअसल अमेरिका की सुन्नी देशों के प्रति हमदर्दी नहीं बल्कि एक बड़ी चाल है जिसे मुस्लिम जगत अब बखूबी समझ चुका है। मुस्लिम जगत जुलानी की आड़ में सीरिया को बर्बाद करने की साजिश को भी समझ रहा है।परन्तु खबर यह भी है कि सीरियाई जनता भी अमेरिका इस्राईल के सीरिया के प्रति नापाक इरादों को भांप कर एकजुट होने लगी है। मध्य एशियाई क्षेत्रों को अमेरिका से मुक्त कराने के शुरूआत संकेत मिलने लगे हैं। ईरान ने गत 23 जून को कतर की राजधानी दोहा स्थित अमेरिकी सैन्य अड्डे अल-उदीद एयरबेस पर मिसाइलें दाग कर तथा इराक और सीरिया में भी अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बना कर यह चेतावनी दे दी है कि अमेरिकी सैन्य अड्डे मध्य एशियाई क्षेत्रों में सुरक्षित नहीं हैं। साथ ही इराकी प्रतिरोध समूहों, विशेष रूप से कताइब हिजबुल्लाह, ने इराकी सरकार को यह चेतावनी जारी कर दी है कि वह अमेरिकी सेना को दो महीने के भीतर बगदाद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा और ऐन अल-असद बेस जैसे इराकी सैन्य ठिकानों, से पूरी तरह से हटने के लिए कहे। इराकी प्रधानमंत्री मोहम्मद शिया अल-सुदानी को इस संबंध में पहले से सहमति के आधार पर कार्रवाई करने के लिए ₹पर्याप्त समय₹ दिया गया था, और अब केवल दो महीने बचे हैं। यानी सितंबर 2025 के अंत तक अमेरिका को इराक छोड़ने की चेतावनी दे दी गयी है। इस चेतावनी में यह भी कहा गया है कि अगर यह कार्रवाई समय सीमा में पूरी नहीं हुई, तो उनकी ₹अलग राय₹ होगी , हालांकि उन्होंने अलग राय को स्पष्ट नहीं किया।इस तरह की अनेक छोटी बड़ी घटनाओं व अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर हो रही गोलबंदी को देखते हुये इस निष्कर्ष पर पहुंचा जा सकता है कि मध्य एशिया अमेरिकी हस्तक्षेप से मुक्ति के प्रयास की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

ऑल इंडिया शब्बेदारी में अंजुमनों ने किया नौहा मातम?

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। नगर के इमामबाड़ा कल्लू मरहूम में शनिवार की रात तंजीमें अजाये हुसैन की ऑल इंडिया तरही शब्बेदारी का 27 वा दौर शुरू हुआ जो रविवार की शाम को समाप्त हुई। इस शब्बेदारी में हिंदुस्तान की 20 से अधिक मातमी अंजुमनों ने नौहा मातम कर कर्बला के शहीदों को अपना नजरानए अकीदत पेश किया जिसमे शहर की अंजुमन भी शामिल थी। अलविदाई मजलिस के बाद शबीहे ताबूत अलम व जुल्जनाह निकाला गया जिसकी हमराह अंजुमन जाफरी मखदूमशाह अढ़न ने अपने दर्द भरे नौहे पढ़कर माहौल को गममीन कर दिया। इससे पूर्व शनिवार की रात शब्बेदारी का आगाज तिलावते कलाम पाक से हुआ। सोजखानी गौहर अली जैदी व उनके हमनवा ने पढ़ी। पेशखानी शोहरत जौनपुरी, एहतेशाम जौनपुरी तनवीर जौनपुरी शाहिद हुसैन ,हसरत जौनपुरी, शादाब व वसी जौनपुरी ने पेश किया प्रयागराज से आये मजलिस को खेताब करते हुए मौलाना बाबर नदीम ने कहा कि आज पूरी दुनिया में इमाम हुसैन (अ.स.)व उनके 71 साथियों की शहादत पर लोग नजराने अकीदत पेश करते हैं। चौदह सौ साल से ज्यादा कर्बला में इमाम की शहादत हुए बीत गया है लेकिन जब मोहर्रम आता है तो सभी मजहब के लोगों के दिलों में इमाम की कुर्बानी की याद ताजा हो जाती है। आज जो इंसानियत व इस्लाम जिंदा है। जोह हजरत इमाम हुसैन व अहलेबैत की कुर्बानियों की देन है। मजलिस के बाद अंजुमनों ने मिसरे तरह पर तरही नौहे पेश किये। जिसमें देश की मशहूर अंजुमन गुलशने इस्लाम भीरा सादात अम्बेडकर नगर, मजलूमिया गनीमंडी प्रयागराज, आबिदिया फैजाबाद, हैदरीया अब्दुल्लापुर अकबरपुर, जाफरिया मुस्तफाबाद जलालपुर, अजाये हुसैन दोशीपुर बनारस, गुनचाये अब्बासिया कौशाम्बी, अब्बासिया अहलेसुन्नत करीमुद्दीनपुर गाजीपुर के नौहेखा अलीम ने नौहा व मातम कर कर्बला के शहीदों को नजराने अकेदित पेश किया।

अपने बिहार सरकार विरोधी तेवर के कारण अबूझ पहेली बनते चिराग पासवान!

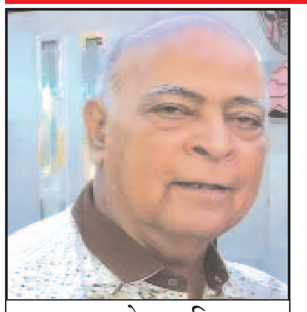

अशोक भाटिया

एनडीए की पार्टनर लोजपा (आर) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और नरेंद्र मोदी मंत्रिमंडल के सदस्य चिराग पासवान अपने अलहदा तेवर के कारण अबूझ पहेली बन गए हैं। वे नरेंद्र मोदी सरकार पर अंगुली उठाने से परहेज नहीं करते। नीतीश कुमार से पंगा उनकी पुरानी पहचान है। हालांकि वे उनसे बड़े अपनाने के साथ मिलते भी रहे हैं। एनडीए की विरोधी विपक्षी पार्टियों के सुर में सुर मिलाने से वे परहेज नहीं करते। बिहार में अपराध को लेकर चिराग की चिंता ठीक वैसी ही दिखती है, जैसे राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के तेजस्वी यादव और जन सुराज पार्टी के सूत्रधार प्रशांत किशोर चिंतित दिखते हैं। इतना ही नहीं, नीतीश कुमार की कब्र खोदने में दिन-रात एक किए बिहार का भ्रमण कर रहे प्रशांत किशोर और चिराग पासवान का परस्पर प्रेम भी झलकता रहा है। दोनों एक-दूसरे की प्रशंसा ऐसे करते हैं, जिससे बिहार में एक नए सियासी गठबंधन की आहट का भ्रम होने लगता है।

बिहार में इस साल विधानसभा का चुनाव होना है। जाहिर है कि चिराग की पार्टी भी इस चुनाव में उतरेगी। उनके पास बिहार फर्स्ट, बिहारी फर्स्ट के कंसेप्ट के अलावा कोई मुद्दा तो है नहीं। यही वजह है कि वे बिहार में क्राइम की स्थिति पर विपक्ष की तरह नीतीश कुमार की सरकार पर हमलावर हैं। उन्हें कभी बिहार लहूलुहान लगता है तो कभी प्रशासन अपराध नियंत्रण में पूरी तरह फेल नजर आता है। वे कहते हैं कि प्रशासन निकम्मा हो गया है। हत्या, बलात्कार जैसे अपराध हो रहे हैं। इसे चुनाव से जोड़ कर देखा जा रहा है। यह संभव है, लेकिन अपराधों पर अंकुश लगाना तो प्रशासन का ही काम है। प्रशासन इसमें फेल है। बिहार के लोगों के लिए यह स्थिति भयावह है। उन्हें इस बात पर दुख है कि वे ऐसी सरकार का समर्थन कर रहे हैं। अपराध को लेकर चिराग सीएम नीतीश कुमार को पत्र भी लिख चुके हैं।

बताया जाता है कि चिराग जो कुछ बोल रहे हैं, उसके पीछे सिर्फ और सिर्फ एक ही कारण है। कैसे उनकी पार्टी को एनडीए में ज्यादा से ज्यादा सीटें मिलें। इसके लिए उन्होंने दबाव का यह अनोखा तरीका अपनाया है। हालांकि उनके इस तरीके के केंद्र में नीतीश कुमार ही हैं, जिनसे वे 2020 में भी पंगा ले चुके हैं। चिराग कहते हैं कि उन्हें खत्म करने की कोशिश होती रही है। उनकी पार्टी में विभाजन कराया गया। परिवार को विभाजित किया गया। उन्हें बम से उड़ाने की साजिश रची जा रही है। वे खुद विधानसभा चुनाव लड़ने की घोषणा करते हैं और सभी 243 सीटों पर कैंडिडेट उतारने की बात करते हैं। वे उन इलाकों में सभाएं कर रहे हैं, जहां एनडीए के दूसरे नेताओं का प्रभाव माना जाता है। वे सरकार की आलोचना विपक्ष की तरह करते हैं। एनडीए के खिलाफ बिहार में अलख जगा रहे जन सुराज के नेता प्रशांत किशोर से अपने मधुर रिश्तों की बात बताते हैं। वे यह भी कहते हैं कि एनडीए छोड़ेंगे नहीं। उनकी इस तरह की विरोधाभाषी बातों से कन्फ्यूजन स्वाभाविक है। जानकार मानते हैं कि उनका सारा खेल टिकटों के लिए है।

साल 2005 में दो बार बिहार विधानसभा के चुनाव हुए थे। पहले चुनाव में त्रिशंकू जनादेश आया था। तब चिराग पासवान के पिता रामविलास पासवान तत्कालीन संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (यूपीए) सरकार में मंत्री थे। केंद्र सरकार में गठबंधन साझीदार होने के बावजूद एलजेपी ने बिहार चुनाव अकेले लड़ा और पार्टी 29 सीटें जीतकर किंगमेकर के तौर पर उभरी। तब आरजेडी 75 सीटें जीतकर सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी थी और 92 सीटों के साथ एनडीए सबसे बड़ा गठबंधन। कांग्रेस के 10, सपा के चार, एनसीपी के तीन और लेफ्ट के 11 विधायक थे। आरजेडी को कांग्रेस और इन छोटी पार्टियों के साथ ही केंद्र में गठबंधन सहयोगी एलजेपी के समर्थन से सरकार बना लेने का विश्वास था, लेकिन ऐसा हुआ नहीं।

सत्ता की चाबी लेकर घूम रहे रामविलास पासवान ने तब मुस्लिम मुख्यमंत्री की मांग कर पेच फंसा दिया। नीतीश कुमार की अगुवाई में एनडीए ने सरकार बनाई, लेकिन अल्पमत की यह सरकार भी अधिक दिनों तक नहीं चल सकी। नीतीश को कुर्सी छोड़नी पड़ी और उसी साल अक्टूबर में दोबार चुनाव हुए। 2005 के दूसरे चुनाव में एलजेपी की सत्ता की चाबी खो गई और एनडीए ने पूर्ण बहुमत के साथ सरकार बनाई। ऐसा भी समझा जाता है कि इन चुनावों में क्या चिराग भी अपनी पार्टी के लिए सत्ता की चाबी खोज रहे हैं?

इसी कारण शायद चिराग बिहार सरकार कि आलोचना करने से भी नहीं डर रहे । बिहार की राजधानी पटना में व्यवसायी गोपाल खेमका की हत्या के मामले पर चिराग पासवान ने चिंता जताई। उन्होंने कहा, 'ऐसी घटनाएं उस सरकार में हो रही हैं, जिसकी पहचान सुशासन की है। मैं भी उस सरकार का समर्थन कर रहा हूं। यह वाकई चिंता का विषय है। मैं इस सवाल से भागने की कोशिश नहीं करूंगा, न ही हमारी सरकार को ऐसा करने की कोशिश करनी चाहिए। अगर इतनी बड़ी घटना शहरी इलाकों में खुलेआम होती है, अगर इतने पॉश इलाके में होती है, तो यह बहुत गंभीर मामला है। मैं सरकार के साथ-साथ स्थानीय प्रशासन के भी संपर्क में हूं... लेकिन ऐसी घटनाएं हमारी चिंता बढ़ाती हैं .... अगर परिवार (गोपाल खेमका का) डरा हुआ है, तो यह जायज है। यह ऐसा परिवार है जिसने पहले भी इसका सामना किया है। क्या स्थानीय प्रशासन ने परिवार को सुरक्षा मुहैया कराई?..... यह प्रशासन की जिम्मेदारी थी।'चिराग पासवान ने कहा कि हत्या चाहे राजधानी पटना में हो या बिहार के किसी दूर-दराज के गांव में, सरकार को कानून-व्यवस्था के लिए जवाहदेह होना पड़ेगा। चिराग ने कहा कि सरकार जवाबदेही से भाग नहीं सकती। शहरी इलाके में खुलेआम घटना घट जाती है। थाना बगल में था, अधिकारी उसी इलाके में रहते हैं। इतने पॉश इलाके में ऐसी घटना घट जाती है तो चिंता का विषय है। सुशासन के राज में अपराधियों को इतना बल कहां से मिल गया ये हमें देखना होगा। सरकार को गंभीर होना होगा। लोजपा प्रमुख ने कहा कि बिहार में डोमिसाइल नीति लागू होनी चाहिए, मैं इसके समर्थन में हूं। उन्होंने तेजस्वी यादव का नाम लिए बिना कहा, 'बिहार में 2023 में जब महागठबंधन की सरकार थी तो उस वक्त राजद के उपमुख्यमंत्री और राजद के शिक्षा मंत्री थे, जिन्होंने डोमिसाइल नीति को समाप्त किया।'

चिराग के चुनाव लड़ने पर आरजेडी नेता मृत्युंजय तिवारी ने कहा कि बिहार में चुनाव से पहले ही ठऊअ में सिर फुटव्वल शुरू हो गई है और मुख्यमंत्री पद के कई दावेदार हो गए हैं। तिवारी ने कहा कि LJP(R) अब चिराग पासवान को सीएम कैंडिडेट बता रही है और जेडीयू-बीजेपी नीतीश कुमार को सीएम कैंडिडेट बता रहे हैं। उन्होंने कहा कि NDA में चिराग की पार्टी की लगातार उपेक्षा हो रही है।

राजनीति के जानकारों का मानना है कि चिराग की यह रणनीति एनडीए की सुनियोजित चाल हो सकती है. दरअसल, बीजेपी बहुत हद तक नीतीश कुमार पर निर्भर है, ऐसे में चिराग पासवान को तेजस्वी यादव की युवा अपील और आक्रामक छवि की काट के रूप में इस्तेमाल कर रही हो. चिराग की दलित और पासवान वोटों (लगभग 6%) पर पकड़ और उनकी बिहार फर्स्ट, बिहारी फर्स्ट की छवि उन्हें युवा मतदाताओं के बीच आकर्षक बनाती है. दूसरी ओर, कुछ का मानना है कि चिराग अपनी मुख्यमंत्री की महत्वाकांक्षा को पोषित कर रहे हैं. हाल के सर्वे में उनकी लोकप्रियता 10.6% रही जो नीतीश (18.4%) और तेजस्वी (36.9%) से कम है, लेकिन प्रशांत किशोर (16.4%) से ज्यादा है. चिराग पासवान की यह रणनीति एनडीए को मजबूत करने के साथ-साथ जदयू को दबाव में रख सकती है. उनकी आलोचना से नीतीश की सुशासन छवि को नुकसान हो सकता है जिसका फायदा बीजेपी को मिल सकता है. वहीं, तेजस्वी यादव पर हमले महागठबंधन के वोट बैंक में सेंध लगा सकते हैं. हालांकि, अगर चिराग की यह रणनीति बैकफायर करती है तो एनडीए की एकता खतरे में पड़ सकती है जैसा कि 2020 में हुआ था. चिराग की युवा अपील और आक्रामक शैली उन्हें भविष्य का बड़ा नेता बना सकती है, लेकिन अभी उनकी असल मंशा एक रहस्य बनी हुई है.

सूत्रों की मानें तो पार्टी ने 41 सीटें चिह्नित की हैं। इसकी सूची भाजपा को उन्होंने सौंप दी है। इन सीटों में ज्यादातर जेडीयू के हिस्से की रही हैं। जाहिर है कि जेडीयू इसके लिए तैयार नहीं होगी। चूकि मौजूदा विधानसभा में छखढफ का कोई विधायक नहीं है, इसलिए चिराग को सीटें देने में परेशानी तो होगी ही। वैसे भी चिराग को इतनी सीटें मिलनी मुश्किल हैं। बहुत हुआ तो उन्हें 15-20 सीटें मिल सकती हैं। इसलिए चिराग ने पहले से ही दबाव बनाना शुरू कर दिया है। नीतीश कुमार पर हमलावर होने की एक ही वजह है कि टिकटों के बंटवारे में निर्णय उन्हीं को लेना है। चिराग ऐसे तेवर दिखा कर शायद नीतीश को डराना चाहते हों कि उनकी बात नहीं सुनी गई तो वे 2020 के रास्ते पर भी जा सकते हैं। आश्चर्यजनक बात यह है कि एनडीए के दूसरे घटक दल उतने बेताब नहीं दिखते, जितनी बेचैनी में चिराग नजर आते हैं। सच तो यह है कि उनकी अटपटी बतकही घटक दलों को भी नहीं सुहा रही। अपराध पर चिराग के आरोपों पर हम के संस्थापक और केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी शालीन शब्दों में सटीक जवाब दिया है। उन्होंने कहा है कि चिराग ने वह दौर देखा ही कहां है, जो ये बता सकें कि अपराध कब अधिक हुए।

आजादी की राह : गांधी की अहिंसा, सावरकर की शक्ति, नेताजी का शौर्य

-सुरेश गांधी

भारत का स्वतंत्रता संग्राम केवल ब्रिटिश साम्राज्यवाद के विरुद्ध एक राजनीतिक लड़ाई नहीं था, बल्कि यह विचारों, दृष्टिकोणों और रास्तों का संघर्ष भी था। इसमें महात्मा गांधी की अहिंसात्मक सोच थी, तो वहीं विनायक दामोदर सावरकर की सशस्त्र क्रांति की स्पष्ट वकालत। नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने आजाद हिंद फौज के गठन से ब्रिटिश हुकूमत की नींव हिला दी, जबकि भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद, राजगुरु और बटुकेश्वर दत्त जैसे क्रांतिकारियों ने युवा भारत में स्वतंत्रता के लिए प्राण न्योछावर करने की प्रेरणा जगाई।

मोहनदास करमचंद गांधी ने दक्षिण अफ्रीका से लौटकर भारत को सत्याग्रह और अहिंसा का मंत्र दिया। उन्होंने नमक सत्याग्रह, असहयोग आंदोलन और भारत छोड़ो आंदोलन जैसे जन आंदोलनों के माध्यम से अंग्रेजों को नैतिक रूप से चुनौती दी। उनके लिए स्वतंत्रता का अर्थ केवल राजनीतिक मुक्ति नहीं, बल्कि आत्मनिर्भर भारत और नैतिक समाज की स्थापना भी था। परंतु, गांधी की नीतियों की आलोचना भी हुई। भगत सिंह के क्रांतिकारी मार्ग को गांधी ने अस्वीकार किया और नेताजी के सशस्त्र संघर्ष से दूरी बनाए रखी। यह गांधी के उद्देश्य के लिए साधन की पवित्रता की विचारधारा थी, जिससे कई युवाओं को विरोध भी था।

नेताजी का व्यक्तित्व गांधी के आदर्शों से बहुत भिन्न था। 1939 में जब उन्हें कांग्रेस अध्यक्ष के रूप में पुनः चुना गया, तो गांधी जी के विरोध के चलते उन्हें इस्तीफा देना पड़ा। यह टकराव केवल व्यक्तित्व का नहीं था, बल्कि भारत को स्वतंत्र कराने की रणनीति का भी था। सुभाष बोस ने द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान अंग्रेजों के शत्रु देशों, जर्मनी और जापान से सहायता लेकर आजाद हिंद फौज (आईएनए) का गठन किया। उनका मानना था कि ह्लआजादी भीख में नहीं, बलिदान से मिलती है। उनकी रैलींग कॉल जय हिंद आज भी भारतीय सेना की सलामी का हिस्सा है।

> **जहां गांधी ने सत्याग्रह से लड़ाई लड़ी, वहीं नेताजी ने हथियार उठाए. सावरकर ने क्रांति का बीज बोया तो भगत सिंह ने बलिदान से चेतना जगाई. स्वतंत्रता का यह संग्राम विचारों का महासंग्राम भी था. मतलब साफ है स्वतंत्रता संग्राम एक साझी विरासत थी, न कि किसी एक विचार की बपौती**

सावरकर ने 1905 में ही स्वतंत्रता की आवश्यकता को रेखांकित कर 1857 की क्रांति को प्रथम स्वतंत्रता संग्राम कहा। उन्होंने अभिनव भारत जैसे गुप्त संगठनों के जरिए हथियारबंद क्रांति की वकालत की। कालापानी (अंडमान) की सजा, 11 वर्षों की कठोर यातना और लेखनी से भारत की चेतना को जाग्रत करना, यह सावरकर का योगदान था। गांधी की अहिंसा की विचारधारा के ठीक विपरीत, सावरकर का मानना था कि अंग्रेज केवल शक्ति से समझते हैं। स्वतंत्रता के बाद उनका हिंदुत्व का दर्शन राजनीतिक बहस का विषय बना, परंतु यह न भूलें कि वे स्वतंत्रता के पहले के सबसे पहले स्वराज्यवादी विचारकों में से एक थे।

भगत सिंह महज 23 वर्ष की उम्र में शहीद हो गए, पर उन्होंने भारतीय युवाओं के दिल में हमेशा के लिए जगह बना ली। वे सावरकर के समान सशस्त्र संघर्ष में विश्वास करते थे, परंतु उनका उद्देश्य आतंक नहीं था, बल्कि चेतना फैलाना था। इंकलाब जिंदाबाद सिर्फ नारा नहीं, एक विचारधारा बन गया। उनका मैं नास्तिक क्यों हूं? लेख यह दर्शाता है कि भगत सिंह धर्म, क्रांति और समाज की गहराई से समझ रखते थे। वे गांधी की अहिंसा को अनुत्तरदायी बुजदिली मानते थे।

पंडित जवाहरलाल नेहरू, गांधी के सबसे प्रिय उत्तराधिकारी माने गए। उन्होंने समाजवाद, लोकतंत्र और धर्मनिरपेक्षता को भारत के राजनीतिक दर्शन में स्थान दिया। परंतु उन्हें कभी-कभी यह आलोचना भी झेलनी पड़ी कि उन्होंने सुभाष, सावरकर और क्रांतिकारियों को इतिहास के हाशिए पर रखा। कई लोग यह मानते हैं कि नेहरूवादी इतिहास ने भगत सिंह, आजाद, सावरकर और नेताजी जैसे नेताओं की तुलना में गांधी और नेहरू को जरूरत से ज्यादा महिमा मंडित किया।

गांधी ने नैतिकता का मार्ग दिखाया, सुभाष ने सैन्य ताकत का, सावरकर ने राष्ट्रीयता की भावना को शब्द दिए, और भगत सिंह ने युवाओं में जागृति पैदा की। सबने स्वतंत्रता को अपने-अपने तरीके से साधने का प्रयास किया। एक को नकारकर दूसरे को स्वीकारना, इतिहास के साथ अन्याय होगा। स्वतंत्रता दिवस हमें केवल तिरंगा लहराने का दिन नहीं, बल्कि यह सोचने का अवसर देता है कि हमने अपने इतिहास के उन चेहरों को कितनी ईमानदारी से पहचाना? क्या हमने सुभाष, भगत सिंह और सावरकर जैसे राष्ट्रनायकों को उचित स्थान दिया? 2025 में जब हम स्वतंत्रता के 78वें वर्ष में प्रवेश कर रहे हैं, तो जरूरत है विचारों के उस महासंग्राम को पहचानने की, जिसने भारत को आजादी दिलाई।

चुनाव में स्टाफ जाता है, परीक्षा में छात्र क्यों? रोजगार की दौड़ में रास्ते ही कठिन क्यों?

परीक्षा देना किसी भी युवा के जीवन का सबसे संवेदनशील और निर्णायक समय होता है। यह वह क्षण होता है जब वर्षों की मेहनत और सपनों को हकीकत में बदलने का रास्ता खुलता है। लेकिन अगर परीक्षा केंद्र तक पहुँचने की राह ही संघर्षपूर्ण हो जाए, तो उस परीक्षा की निष्पक्षता और प्रशासनिक तैयारी पर सवाल उठना लाजमी है। हरियाणा में आयोजित की गई CET (कॉमन एलिजिबिलिटी टेस्ट) परीक्षा में यही हुआ – जब राज्य भर के 15 लाख से अधिक अभ्यर्थियों को अपने घरों से 100 से 150 किलोमीटर दूर तक परीक्षा देने भेजा गया। और वह भी तब जब वे अपने ही जिले या शहर में परीक्षा देने की सुविधा की आशा रखते थे।

हरियाणा सरकार और HSSC (हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग) ने यह परीक्षा ह्यसुचारु और पारदर्शी तरीके से आयोजित करने का दावा किया। लेकिन उस पारदर्शिता की कीमत किसने चुकाई? छात्र। जो हरियाणा के कोने-कोने से, कभी रोडवेज बसों में खचाखच भरे माहौल में, तो कभी निजी वाहनों में अपनी जेब खाली करते हुए परीक्षा केंद्रों तक पहुँचे। अनेक लड़कियों ने रात भर सफर करके सुबह 10 बजे की परीक्षा दी, कई ग्रामीण युवाओं ने अपने जीवन में पहली बार शहरों की तरफ अकेले कूच किया, और कुछ लोग परीक्षा केंद्र पर पहुँच ही नहीं सके। ऐसे में यह सवाल उठता है कि क्या प्रशासन को यह एहसास नहीं कि परीक्षा केवल एक पेपर नहीं होती, वह अभ्यर्थी के पूरे जीवन की उम्मीद होती है?

हरियाणा में हर पांच साल में चुनाव होते हैं। उसमें भी बूथ ड्यूटी, पोलिंग स्टेशन की निगरानी, एश्ट की सुरक्षा—ये सब होता है। क्या उसमें कर्मचारियों को एक जिले से दूसरे जिले तक नहीं भेजा जाता? क्या कभी किसी मतदाता को 100 किलोमीटर दूर वोट डालने भेजा गया है? नहीं। तो फिर परीक्षा में यह असंवेदनशीलता क्यों? क्या युवा वर्ग प्रशासन की प्राथमिकता में नहीं आता? क्या सरकार मानती है कि एक बेरोजगार युवक की यात्रा, उसका समय, उसकी जेब का खर्च, उसकी परीक्षा की तैयारी—इन सबका कोई मूल्य नहीं है?

जिन युवाओं के पास किराया देने तक के पैसे नहीं थे, उन्हें परिजनों से उधार लेना पड़ा। किसी ने खेत गिरवी रखे, तो किसी ने अपनी मां की जमा पूंजी निकाली। लड़कियों और विकलांग उम्मीदवारों को न सिर्फ यात्रा की परेशानी हुई बल्कि उनके लिए रुकने, भोजन और सुरक्षा की चिंताएं और भी ज्यादा थीं। लंबी यात्रा के बाद कोई भी मानसिक रूप से शांत नहीं रह सकता। परीक्षा में प्रदर्शन सीधे रूप से इस बात पर निर्भर करता है कि छात्र मानसिक रूप से कैसा महसूस कर रहा है। जिन छात्रों का केंद्र 150 किमी दूर था, उन्हें परीक्षा से एक दिन पहले ही निकलना पड़ा। इसका सीधा असर नींद, भोजन और पढ़ाई की निरंतरता पर पड़ा।

जब छात्र एडमिट कार्ड डाउनलोड करते हैं, तब उनसे परीक्षा केंद्र का प्राथमिक शहर चुनने का विकल्प दिया जा सकता था, जैसा कई राष्ट्रीय परीक्षाओं में होता है। हर जिले में कम से कम 5-10 सरकारी या निजी संस्थान तो हैं ही, जहां परीक्षा आयोजित हो सकती थी। जैसे चुनाव में कर्मचारी अन्य जिलों में ड्यूटी करते हैं, वैसे ही शिक्षक, पर्यवेक्षक और अन्य स्टाफ को दूर भेजा जा सकता था। छात्र अपने ही ज़िले में परीक्षा देते।

ऐसे में यह सवाल उठता है कि क्या यह एक सोची-समझी योजना थी या व्यवस्थागत असफलता? क्या प्रशासन को छात्रों के संघर्ष की कोई चिंता नहीं? क्या यह बेरोजगार युवाओं की परीक्षा लेने के नाम पर उनका मनोबल तोड़ने की प्रक्रिया नहीं है? क्या HSSC खुद को जवाबदेह मानती है या सिर्फ नोटिस निकाल देना पर्याप्त है? हरियाणा के नेताओं ने इस विषय पर कोई विशेष संवेदनशीलता नहीं दिखाई। जबकि यही छात्र आने वाले समय में वोटर भी हैं और परिवर्तन के वाहक भी। राजनीतिक दलों को चाहिए था कि इस मुद्दे पर खुलकर सरकार से सवाल पूछते। लेकिन अफसोस, बेरोजगारी का मुद्दा अब शोर में दबा दिया गया है, और रोजगार की परीक्षा अब छात्रों के सहनशीलता की परीक्षा बन गई है।

हरियाणा CET परीक्षा के दौरान ऐसी कई घटनाएं सामने आईं जो ना सिर्फ दुःखद थीं, बल्कि प्रशासनिक लापरवाही की पोल भी खोल गईं। जींद में एक छात्र का सड़क दुर्घटना में निधन हो गया, जब वह मोटरसाइकिल से परीक्षा केंद्र जा रहा था। भिवानी में एक महिला अभ्यर्थी की तबीयत बिगड़ने पर अस्पताल में मौत हो गई, वजह—थकावट, गर्मी और तनाव। रोहतक में बस में सफर के दौरान एक छात्र को हार्ट अटैक आया और उसकी मृत्यु हो गई। परिवार का कहना था कि वह पिछली रात से बिना सोए निकला था और खाना भी नहीं खाया था। कैथल-करनाल हाईवे पर ट्रक से टकराई बाइक पर सवार दो अभ्यर्थियों की मौके पर मौत हो गई। सिरसा में दो सगे भाई परीक्षा देने जाते हुए दुर्घटना का शिकार हुए और जान चली गई। रेवाड़ी में परीक्षार्थियों से भरी एक कार पलटी, जिसमें कई छात्र घायल हो गए।

इन खबरों ने साबित कर दिया कि परीक्षा केंद्रों की गलत प्लानिंग सिर्फ असुविधा नहीं, जीवन की कीमत पर खड़ी की गई प्रशासनिक गलती थी।

100-150 किमी की लंबी यात्रा, वो भी सुबह 10 बजे की परीक्षा के लिए, छात्रों को रात में ही निकलना पड़ता है। थकावट और तनाव, जो सीधे हार्ट अटैक या दुर्घटनाओं का कारण बन सकता है। रहने-खाने की कोई व्यवस्था नहीं, कोई छात्र स्टेशन पर सोया, कोई बस स्टैंड पर, और कोई खुले में इंतजार करता रहा। सड़क सुरक्षा की घोर अनदेखी – इतने बड़े परीक्षा आयोजन के दौरान कोई ट्रैफिक प्लान या मेडिकल बैकअप नहीं।

सरकार और प्रशासनिक अधिकारी अगर इन मौतों पर संवेदना व्यक्त कर भी दें, तो सवाल यह है – क्या ये मौतें रोकी नहीं जा सकती थीं? क्या एक बेहतर परीक्षा केंद्र प्रणाली, ज़िलावार आयोजन, और परिवहन की व्यवस्था इन जिंदगियों को बचा नहीं सकती थी?

सपनों के पीछे भागते हुए छात्र नहीं मरे, मरा है सिस्टम – जो संवेदनहीन होकर देखता रहा। अब सवाल उठता है – क्या ल्ररउ इन मौतों पर जवाबदेह ठहराया जाएगा? क्या परीक्षा केंद्र निर्धारण के मानदंडों की समीक्षा होगी? क्या आने वाली परीक्षाओं में कोई सुधारात्मक कदम उठाए जाएंगे? अगर नहीं, तो ये मौतें महज आंकड़े बन जाएंगी, और हर अगली परीक्षा में फिर कोई नया अभ्यर्थी... नौकरी की उम्मीद में जान गंवाता रहेगा। परीक्षा केंद्र निर्धारण में होम डिस्टिक्ट प्रेफरेंस लागू किया जाना चाहिए। परीक्षा व्यवस्था में शिक्षा विभाग के अनुभवी अधिकारियों को जोड़ा जाए। सीटिंग प्लान और स्टाफ तैनाती का मॉडल चुनाव आयोग से सीखा जाए। हर जिले में स्थायी एग्जाम सेंटर इनफ्रास्ट्रक्चर विकसित किया जाए। परीक्षार्थियों से फीडबैक और सुझाव अनिवार्य रूप से लिए जाएं। ट्रैफिक, मेडिकल और सुरक्षा योजना हर बड़े परीक्षा आयोजन से पहले बनाई जाए। यह सुखद है कि हरियाणा के कई कोनों से अभ्यर्थियों ने सोशल मीडिया, धरनों और याचिकाओं के माध्यम से इस विस्थापन मॉडल का विरोध किया है। अब यह जरूरी है कि यह विरोध संगठनात्मक रूप ले और सरकार तक आवाज पहुंचे कि—हम परीक्षा देने को तैयार हैं, लेकिन अपने आत्मसम्मान को गिरवी नहीं रखेंगे। सरकार को यह याद रखना होगा कि बेरोजगार युवा सिर्फ नौकरी के लिए आवेदन नहीं करते, वे देश के भविष्य की बुनियाद रख रहे होते हैं। अगर हम उन्हें ही यूँ दर-दर भटकाकर थका देंगे, तो आने वाली पीढ़ियाँ किस व्यवस्था पर भरोसा करेंगी?- **डॉ. सत्यवान सौरभ**

श्री रामलीला उत्सव समिति की बैठक संपन्न

मुंबई (उत्तरशक्ति)। शारदीय नवरात्रि में जगह जगह श्री रामलीला का मंचन बड़े ही धूम धाम से किया जाता है। इसी कड़ी में श्री रामलीला उत्सव समिति पार्कसाईट के अध्यक्ष प्रभाकर चंद्रशेखर शुक्ल की अध्यक्षता में आगामी 22 सितंबर से 3 अक्टूबर 2025 तक रामलीला मंचन की तैयारी हेतु 27 जुलाई दिन रविवार को घाटकोपर वेस्ट के अमृतनगर स्थित सागर पार्क में बैठक रखी गई। बैठक में श्री रामलीला मंचन हेतु कई अन्य विषयों पर विचार विमर्श किया गया। इस अवसर पर समिति अध्यक्ष प्रभाकर चंद्रशेखर शुक्ल,सचिव दिवाकर मिश्र और समिति पदाधिकारी श्रीनाथ पांडेय,बाबुलनाथ तिवारी,विशेष कार्यकारी अधिकारी आदेश कुमार मिश्र, अरविंद शुक्ल, सर्वदेव पांडेय,विमलेश मिश्र,संजय मिश्रा, राजन सिंह,बृजेश शुक्ल,अवधेश तिवारी,ब्रह्मदेव दुबे,राजेश सिंह,रामतीरथ शर्मा,प्रेम तिवारी सहित अन्य लोग मौजूद थे।

मन की बात से बच्चों और युवाओं में जागी नई ऊर्जा

आंनद कुमार मिश्रा/नालासोपारा, (उत्तरशक्ति)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' का ताजा संस्करण रविवार को पूरे देश में सुना गया। इस मौके पर नालासोपारा समेत विभिन्न स्थानों पर बच्चों, युवाओं और शिक्षकों ने एकत्र होकर सामूहिक रूप से कार्यक्रम को सुना और उस पर चर्चा की। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने देश के युवाओं को आत्मनिर्भर भारत, पर्यावरण संरक्षण, तकनीकी नवाचार और सामाजिक योगदान जैसे विषयों पर प्रेरित किया। उनके विचारों ने विशेष रूप से बच्चों और किशोरों के मन में नया जोश और सकारात्मक सोच का संचार किया।

नालासोपारा ओसवाल नगर के तुलिंज मंडल अंतर्गत भाजपा जनसंपर्क कार्यालय मे आयोजित इस कार्यक्रम में बच्चों के लिए विशेष रूप से प्रोजेक्टर्स के जरिए बड़े स्क्रीन पर आयोजित मन की बात कार्यक्रम में बच्चों ने ध्यानपूर्वक प्रधानमंत्री के संदेशों को सुना। कार्यक्रम के बाद एक संवाद सत्र का आयोजन किया गया, जिसमें बच्चों ने अपने विचार साझा किए। कई बच्चों ने कहा कि प्रधानमंत्री जी के विचारों ने उनमें कुछ नया करने की प्रेरणा दी है। आर्यन दूबे ने कहा, मन की बात सुनकर मुझे अब लगने लगा है कि हम भी छोटे-छोटे प्रयासों से बड़ा परिवर्तन ला सकते हैं। कार्यक्रम के आयोजक हरिकेश लालता तिवारी व सह आयोजक हितेश दूबे ने बताया कि इस तरह के कार्यक्रम बच्चों के व्यक्तित्व निर्माण और सामाजिक जिम्मेदारी की समझ विकसित करने में सहायक सिद्ध होते हैं। कार्यक्रम के समापन पर बच्चों ने पोस्टर, चित्र और प्रेरणादायक नारों के माध्यम से अपने विचार प्रस्तुत किए। आयोजकों ने इसे बेहद सफल आयोजन बताया और कहा कि आगे भी इस तरह की पहलें जारी रहेंगी।

वारकरी साहित्य परिषद की जिलास्तरीय बैठक उत्साहपूर्वक संपन्न

पालघर(उत्तरशक्ति)। संतों के विचार और संत साहित्य को समाज के कोने-कोने तक पहुंचाने के उद्देश्य से स्थापित वारकरी साहित्य परिषद की पालघर जिलास्तरीय बैठक बुधवार को बोईसर के दत्तवाडी स्थित दत्त मंदिर परिसर में शाम 7 बजे संपन्न हुई। बैठक का मुख्य उद्देश्य संत जनाबाई-मुक्ताई महिला हरिपाठ मंडळ की राज्यस्तरीय स्पधाओं की रूपरेखा तैयार करना था।

इस बैठक में पालघर जिले के सभी वारकरी बंधुओं को आमंत्रित किया गया था। कार्यक्रम की अध्यक्षता ह.भ.प. पाहुंरग भोईर महाराज (जिलाध्यक्ष) व ह.भ.प. विनोद महाराज पाटील (तहसील अध्यक्ष, पालघर) ने की। बैठक में ह.भ.प. मोहन महाराज सिनलकर (तहसील अध्यक्ष, डहाणू), ह.भ.प. सौ. शीतल ताई विजय शिंदे तथा सौ. ह.भ.प. अलका माने प्रमुख रूप से उपस्थित थीं। विशेष अतिथि के रूप में सांगली से पधारी ह.भ.प. चौगुलेताई व वाणी ताई ने कार्यक्रम का सूत्र संचालन करते हुए आगामी हरिपाठ स्पर्धा की जानकारी साझा की और मार्गदर्शन भी किया। इस अवसर पर परिषद के तहसील स्तरीय संपर्कप्रमुख और अन्य कमेटी सदस्य भी उपस्थित रहे। स्व. मालुश्रीताई पाटील की संकल्पना के अंतर्गत आयोजित इस बैठक में पालघर जिला महिला अध्यक्ष के रूप में ह.भ.प. सौ. शीतल ताई शिंदे तथा डहाणू तहसील महिला अध्यक्ष के रूप में सौ. ह.भ.प. अलका माने की नियुक्ति की गई। बैठक का समापन ह.भ.प. मोहन महाराज के आभार प्रदर्शन और अल्पाहार के साथ किया गया। यह बैठक वारकरी साहित्य परिषद के सामाजिक व आध्यात्मिक उद्देश्यों की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुई।

उपमुख्यमंत्री शिंदे ने किया शंकराचार्य का पादुका पूजन

- गौ माता ही बचाएगी भारत की सत्य सनातन संस्कृति
- अन्याय से लड़ने के लिए हिम्मत करनी होती है : शिंदे
- अनुराधा पौडवाल और उदित नारायण ने सुनाए भजन

बोरीवली/मुंबई (उत्तरशक्ति)। बोरीवली। परमाराध्य परमधर्माधीश ज्योतिष्पीठाधीश्वर जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी श्री अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती जी महाराज का 56 वां जन्मदिवस आज यहां बोरीवली स्थित कोरा केंद्र मैदान पर धूमधाम से मनाया गया। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने महाराज श्री का पादुका पूजन किया और उन्हें गाय की प्रतिमा प्रदान की। इस अवसर पर सुप्रसिद्ध गायक उदित नारायण और सुप्रसिद्ध गायिका अनुराधा पौडवाल ने मनभावन भजनों की प्रस्तुति की। कार्यक्रम में विधायक प्रकाश सुर्वे, विधायक संजय उपाध्याय सहित देशभर से पधारे साधु संत व वशिष्ट हस्तियां उपस्थित रहीं। शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने सभी को आशीर्वाद दिया और उन्होंने कहा कि गौ माता ही भारत की सत्य सनातन संस्कृति की रक्षा करेंगी। इसलिए हम सभी को मिलकर गौमाता की रक्षा करनी है। अपने आशीर्वचन में उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र राज्य ने गौमाता को राजमाता का दर्जा देकर इतिहास रच दिया है। अब पूरे भारत में इतिहास रचना है। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि देश में गौमाता ही सनातन संस्कृति की रक्षा कर सकती है। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद गौमाता को राष्ट्र माता का दर्जा दिलाने के लिए अभियान चला रहे हैं, उनके साथ पूरा महाराष्ट्र खड़ा है। उल्लेखनीय है कि महाराष्ट्र में गौमाता को राजमाता का दर्जा देने के एकनाथ शिंदे के मुख्यमंत्रित्व काल के निर्णय पर उनका नाम स्वर्णाक्षरों में दर्ज कराने की शंकराचार्य ने घोषणा की है। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए श्री शिंदे ने कहा कि इसे मैं प्रसाद के रूप में स्वीकार करता हूं। यह अकेले एकनाथ शिंदे का नहीं बल्कि पूरे महाराष्ट्र की जनता का सम्मान है। उन्होंने यह भी कहा कि गौ माता के लिए इस तरह का साहसिक निर्णय लेने की प्रेरणा उन्हें स्वामीजी के ही कारण मिली। श्री शिंदे ने आगे कहा कि अन्याय के खिलाफ हिम्मत करनी होती है और महाराष्ट्र ने यह देखा है। इस अवसर पर राजकुमार जाजू और अभिषेक जाजू ने सपरिवार महाराजश्री को सोने का मुकुट पहनाया व अन्य आभूषण पहनाए। इससे पहले एम.एल. सोनी परिवार ने कन्या पूजन किया। जयकांत शुक्ला, अशोक साहू, अभिषेक जाजू आदि तुलादान किया। महाराजश्री के मीडिया प्रभारी योगीराज सरकार और चातुर्मास समिति के मीडिया प्रभारी शैलेंद्र श्रीवास्तव ने बताया कि शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंदजी इन दिनों बोरीवली पश्चिम में कोराकेंद्र मैदान पर चातुर्मास्य महामहोत्सव को सानिध्य प्रदान कर रहे हैं। उनके वर्धंती महोत्सव पर सुबह से ही उत्सव की धूम रही। ईश्वर पर कन्या पूजन जरूरतमंदों को छतरियों का वितरण, गायों को चारा खिलाने के साथ ही अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रम हुए।महाराष्ट्र के सानिध्य में 108 कुंडों में 33 करोड़ गौ-प्रतिष्ठा महायज्ञ भी निरंतर जारी है।

परमार्थ की ओर से मालाड में 11वां रुद्राभिषेक संपन्न

मुंबई(उत्तरशक्ति)। सामाजिक-सांकृतिक संस्था परमार्थ सेवा समिति की मालाड क्षेत्रीय समिति की ओर से रविवार को आयोजित 11वां श्रावण मास के निमित्त पार्थिव शिवलिंग रुद्राभिषेक संपन हुआ। मालाड (पूर्व) कलसरिया अपार्टमेंट परिसर में आयोजित इस धार्मिक अनुष्ठान के यजमान राजेश मूंधड़ा व रेखा मूंधड़ा थे। राजाराम माहेश्वरी के संयोजन में हुए इस आयोजन में गुलाब के फूलों से बना शिवलिंग आकर्षण का केंद्र रहा। पं. अजय भट्टाचार्य के मार्गदर्शन में विद्वान ब्राह्मणों ने विधिविधान पूर्वक रुद्राभिषेक पूजन कराया। इस अवसर पर राम विलास हुरकट, प्रकाश माहेश्वरी, विकास माहेश्वरी, सचिन रुंगटा, डॉ. बीएम खंडेलवाल, रवि लालपुरिया, एसएस काबरा, राजेश नुवाल, मधुसुदन माहेश्वरी, सुनील काबरा, एसएस गुप्ता, श्याम लाल खेतान, पवन पुरोहित, पवन लाठ, विजय यादव सहित करीब 150 लोगों ने रुद्राभिषेक किया।

केसीएन क्लब द्वारा आयोजित भव्य कारगिल पराक्रम जनजागृति मशाल पदयात्रा संपन्न

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। जिले के प्रसिद्ध औद्योगिक शहर बोईसर में राष्ट्रीय सेवाभावी संगठन नोइंग सिटीजन्स नीड क्लब द्वारा कारगिल युद्ध विजय दिवस की 26वीं वर्षगांठ को भव्य रूप में मनाया गया। लगातार नौ वर्षों से कारगिल पराक्रम जनजागृति मशाल पदयात्रा कार्यक्रम को आयोजित कर रही केसीएन क्लब टीम व उनकी सहयोगी समिति द्वारा रजत जयंती समारोह को भव्य बनाया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रयागराज से पधारे पूर्व सैनिक जितेंद्र राय उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व सेना अधिकारी डॉ एम बी सिंह ने किया। कार्यक्रम में प्रमुखता से पालघर उप जिला अधिकारी श्याम मदनुरकर, जिला आपत्ति व्यवस्थापन अधिकारी विवेकानंद विजय कदम केसीएन क्लब सैनिक प्रकोष्ठ वेटरन्स भारत के राष्ट्रीय अध्यक्ष भोलानाथ सिंह ननवग राष्ट्रीय महासचिव भाऊराव पुण्डलिक तायड़े केसीएन क्लब सैनिक प्रकोष्ठ वेटरन्स के महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष प्रकाश बापूराव भोपले, केसीएन क्लब सैनिक प्रकोष्ठ वेटरन्स के महाराष्ट्र प्रदेश महासचिव पूर्व सैनिक अंकुश बालासाहेब शिंदे, विशिष्ट अतिथि के रूप में सेना नायक रेखराज टाक, पूर्व वायुसेना कर्नल विनायक वसंत देशपांडे, अमरावती महाराष्ट्र से पधारे पूर्व सैनिक, शिक्षक संजय एकनाथ ताय वाडे, पूर्व सिपाही, सीआरपीएफ भास्कर किसनराव आखरे, पूर्व सैनिक पुत्र, शिक्षक संजय वसंत राऊत, समाजसेवी प्रदीप मोरेश्वर कुलकर्णी प्रयागराज से पधारे पूर्व सेना अधिकारी दिनेश चन्द्र पाण्डेय, अनिल त्रिपाठी, बीड से पधारे हनुमान अंगद नागरगोजे, शिवरतन सिंह राठौर, प्रताप वासुदेव सावे, कैप्टन पद्मा माने, लेफ्टिनेंट प्रकाश सोनावने, फाल्के मैडम, पुणे महाराष्ट्र से पधारे पूर्व सैनिक डॉ मनमोहन झा , एडवोकेट लीना प्रकाश सोनावने, एडवोकेट पंकज विलास मेढे, समाजसेवी विशाल गणपत गाडे, समाजसेवी शीतला प्रसाद उपाध्याय, पत्रकार किरण रमेश स्वामी सोनपेठ , केसीएन क्लब संरक्षक शोभनाथ त्रिपाठी सहित अनेक वीर नारी, वीर माता वीर पुत्र पूर्व सैनिक उपस्थित हुए। कार्यक्रम का सूत्र संचालन केसीएन क्लब युवा मोर्चा के राष्ट्रीय महासचिव विक्रम शुक्ला ने किया। कार्यक्रम में पी एल श्रॉफ कॉलेज चिंचिनी व एम के जूनियर कॉलेज चिंचिनी , दांडेकर कॉलेज पालघर की एन सी सी टीम व आशादीप हाईस्कूल धनानीनगर , श्री अनिरुद्ध इंग्लिश मीडियम स्कूल गणेश नगर , बोईसर मिलिट्री स्कुल सहयोगी टीम में रहे।

यात्रा का शुभारंभ बोईसर नवापुर नाका से भारत माता की पूजा, व खेलकूद शाखा उद्घाटन बैनर का फीता वरिष्ठ पूर्व सेना अधिकारी महावीर सिंह के हांथो काटकर व यात्रा प्रस्थान का नारियल तोड़कर व पुलिस उपनिरीक्षक रविन्द्र पाटील के हाथों फीता काटकर , बोईसर रेलवे स्टेशन, बोईसर बस स्टैंड माता जिजाऊ चौक, छत्रपति शिवाजी महाराज चौक, बाबा साहेब आम्बेडकर चौक, अब्दुल कलाम चौक, शाहिद भगत सिंह चौक होते हुए टीमा हॉल पर सम्पन्न हुई।

कल्याण में बारिश के कारण मिट्टी धंसने से दीवार गिरी

- 6 घरों को नुकसान, कोई जनहानि नहीं
- पालिका द्वारा घरों को जमींदोज करने की प्रक्रिया शुरू

कल्याण(उत्तरशक्ति)। कल्याण पूर्व के कचोरे इलाके में पहाड़ी पर बने 6 घरों की दीवार गिर गई। आसपास के रहवासियों को सुरक्षित स्थान पर भेजा गया है। पिछले दो दिनों से लगातार हो रही बारिश के कारण मिट्टी धंसने से यह घटना घटी है।

कल्याण पूर्व के कचोरे गुरुदेव आश्रम इलाके की पहाड़ी पर बस्ती है। इस बस्ती में 6 घर थे। बारिश के कारण मिट्टी धंसने से इन घरों की दीवारें गिर गईं। कचोरे गांव के नागरिकों और आसपास के स्थानीय रहवासियों ने मिलकर लोगों को घरों से बाहर निकाला। नागरिकों को सुरक्षित स्थान पर भेजा गया। इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई है। जिन घरों की दीवारें गिरीं हैं, उन्हें पालिका जमींदोज करने का कार्य शुरू कर दिया गया है।

यह घटना जैसे ही सामने आई, टिलकनगर पुलिस थाने के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक विजय कदम तथा मनपा की सहायक आयुक्त हेमा मुंबरकर ने घटनास्थल पर पहुँचकर स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने उचित उपाय योजना की शुरूआत की है। मनपा की सहायक आयुक्त हेमा मुंबरकर ने बताया कि बारिश के मौसम में हम पहाड़ी पर रहने वाले नागरिकों को सतर्कता की सूचना देते रहते हैं। पिछले दो दिनों से बारिश ज्यादा हो रही है, जिससे मिट्टी धंसी और दीवार गिर गई। इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई है।

स्व .बांकेराम तिवारी का अमूल्य योगदान हम सबके लिए प्रेरणा : संतोष सिंह

मुंबई (उत्तरशक्ति)। उत्तर भारतीय संघ के संस्थापक तथा पूर्व महामंत्री स्वर्गीय बांकेराम तिवारी द्वारा संघर्षपूर्ण परिस्थितियों में किए गए अमूल्य योगदान को भुलाया नहीं जा सकता। वे सच्चे अर्थों में एक महापुरुष रहे, जिन्होंने अपनी मेहनत, लगन और इच्छा शक्ति के दम पर उत्तर भारतीय संघ जैसी प्रतिष्ठित सामाजिक संस्था की स्थापना की। हिंदी बाल विद्या मंदिर, असल्फा घाटकोपर में स्वर्गीय बांकेराम तिवारी की 37वीं पुण्यतिथि के अवसर पर आयोजित श्रद्धांजलि सभा तथा मेधावी विद्यार्थियों के पुरस्कार वितरण कार्यक्रम में बोलते हुए उत्तर भारतीय संघ के अध्यक्ष संतोष आरएन सिंह ने उपरोक्त बातें कही। उन्होंने कहा कि वे भले आज हमारे बीच नहीं है, परंतु उनके द्वारा किया गया निस्वार्थ कार्य हम सबके लिए प्रेरणा बन चुका है। कार्यक्रम में दसवीं की परीक्षा में प्रथम द्वितीय तथा तृतीय क्रमांक पर आने वाले मेधावी विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया। प्रथम रैंक प्राप्त विद्यार्थी कशिश संतोष शर्मा को 51 हजार रुपए, द्वितीय रैंक प्राप्त विद्यार्थी अंश सूर्यमणि दुबे को 31 हजार रुपए तथा तृतीय रैंक प्राप्त विद्यार्थी अभिषेक दिलीप चौहान को 21 हजार रुपए की धनराशि पुरस्कार के रूप में दी गई।

कार्यक्रम के प्रारंभ में स्वर्गीय बांकेराम तिवारी तथा स्वर्गीय आरएन सिंह की तस्वीर पर माल्यार्पण कर पुष्पांजलि दी गई। संतोष सिंह ने जल्द ही विद्यालय में स्वर्गीय बांकेराम तिवारी की मूर्ति लगाने का आश्वासन दिया। साथ ही मीरा रोड उत्तर भारतीय संघ का भवन बनाने, गरीबों के लिए अन्नदान योजना के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दिखाई इस अवसर पर उपस्थित लोगों में वरिष्ठ उपाध्यक्ष डॉ राधेश्याम तिवारी, उपाध्यक्ष संजय सिंह, उपाध्यक्ष रमेश बहादुर सिंह, महामंत्री देवेंद्र तिवारी, पूर्व महामंत्री नंदलाल उपाध्याय, कोषाध्यक्ष अजय सिंह, अनुराग त्रिपाठी, सुरेंद्र गिरि, राजेश सिंह, विद्रोही महाराज, विनोद जगदीश मिश्रा, रेनू मल्लाह, प्रहलाद पांडे, चंद्रभान सिंह, विकास सिंह, ओमप्रकाश सिंह, अंतेश सिंह, प्रिंसिपल प्रिया सिंह, मीना सिंह समेत अनेक लोग उपस्थित रहे।

श्री कृष्ण सेवा समिति ने जरूरतमंद विद्यार्थियों को मुफ्त नोटबुक का किया वितरण

दहिसर, मुंबई (उत्तरशक्ति)। प्रसिद्ध संस्था श्री कृष्ण सेवा समिति ने जरूरतमंद विद्यार्थियों को मुफ्त नोटबुक वितरित करने के लिए एक कार्यक्रम का आयोजन किया।

स्वामी विवेकानंद एज्युकेशन सेंटर, दहिसर में आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उत्तर मुम्बई के पूर्व सांसद गोपाल शेट्टी उपस्थित थे।

इस आयोजन में एसएससी परीक्षाओं में 94.40 प्रतिशत अंक लाने तथा अपने स्कूल स्वामी विवेकानंद एज्युकेशन सेंटर में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाली हिंदी माध्यम की मेधावी छात्रा कुमारी रिया जयसवाल को जनसेवक गोपाल शेट्टी ने विशेष रूप से सम्मानित किया तथा उसकी प्रशंसा की।

इस अवसर पर जनसेवक गोपाल शेट्टी के साथ संस्था के सचिव रामब्रिज यादव, दहिसर की विधायक मनिषा ताई चौधरी , वरिष्ठ भाजपा नेता श्रीकांत पांडे, पूर्व नगरसेवक जगदीश ओझा व पूर्व नगरसेवक जितेंद्र पटेल सहित अनेक गणमान्य नागरिक व कार्यकर्ता उपस्थित थे। सम्पूर्ण कार्यक्रम का उत्कृष्ट और सारगर्भित संचालन एड. सूची यादव ने तथा अंत में आभार प्रदर्शन राजेश मोरे ने किया।

एसएसआई मंत्रा सर्जिकल रोबोटिक सिस्टम ने बड़ी उपलब्धि हासिल की

मुंबई (उत्तरशक्ति)। वैश्विक चिकित्सा सहयोग और सर्जिकल नवाचार के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करते हुए, एसएस इनोवेशन्स इंटरनैशनल आईएनसी. ने सोसाइटी ऑफ रोबोटिक सर्जरी (एसआरएस) के वार्षिक सम्मेलन, स्ट्रासबर्ग, फ्रांस में, अपने स्वदेशी रूप से विकसित एसएसआई मंत्रा सर्जिकल रोबोटिक सिस्टम का उपयोग करके दो जटिल इंटरकॉन्टिनेंटल टेली-सर्जरी को सफलतापूर्वक अंजाम देकर इतिहास रच दिया। यह उपलब्धि तकनीकी श्रेष्ठता के माध्यम से समय और दूरी की बाधाओं को समाप्त कर, विश्व भर में मरीजों तक विशेषज्ञ सर्जरी सेवाएं पहुंचाने की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम है।

पहली प्रक्रिया, गैस्ट्रिक बाईपास, इंडिया के प्रेसिडेंट और मोहक बैरियाट्रिक्स एंड रोबोटिक्स, इंदौर के संस्थापक, डॉ. मोहित भंडारी द्वारा की गई, जिसे केवल 44 मिनट में बिना किसी जटिलता के पूरा किया गया। इससे सिस्टम की स्थिरता, सटीकता और लेटनसी-फ्री ऑपरेशन सिद्ध हुआ। दूसरी प्रक्रिया, एक रोबोटिक एएसडी क्लोजर, एसएस इनोवेशन्स इंटरनेशनल के संस्थापक, चेयरमैन और सीईओ, डॉ. सुधीर श्रीवास्तव द्वारा की गई। इस सजीव टेली-सर्जरी का संचालन विख्यात रोबोटिक कार्डिएक सर्जन डॉ. हुसाम एच. बाल्खी (अध्यक्ष इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर मिनिमली इनवेसिव कार्डियोथोरेसिक सर्जरी और यूनिवर्सिटी ऑफ शिकागो मेडिसिन के रोबोटिक कार्डिएक सर्जरी विभाग के निदेशक) ने किया। इंदौर में मरीज के पास की सहयोगी टीम में शामिल थे झ्र डॉ. ललित मलिक (चीफ -कार्डिएक सर्जरी, मणिपाल हॉस्पिटल, जयपुर), डॉ. राम कृष्ण शुक्ला (कार्डियोलॉजिस्ट) और डॉ. बिपिन आर्य (एनेस्थीसियोलॉजिस्ट)सभी, इंदौर से। इनके साथ ररक्क और रअक्टर की टीमों ने मिलकर सटीक समन्वय किया।यह सर्जरी बिना किसी तकनीकी अड़चन के अदृश्य लेटनसी, उत्कृष्ट सटीकता और सहज रोबोटिक नियंत्रण के साथ पूरी हुई, जिससे एसएसआई मंत्रा 3 सर्जिकल रोबोटिक सिस्टम की क्षमताएं साबित हुईं। डॉ. सुधीर श्रीवास्तव ने इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर कहा, मैं एसआरएस 2025 कॉन्फ्रेंस में यह अवसर देने के लिए डॉ. विपुल पटेल (अध्यक्ष - एसआरएस), डॉ. मोहित भंडारी, इंडिया टीम और हमारी एसएस इनोवेशन्स टीम का आभार व्यक्त करता हूं। यह विश्व की पहली इंटरकॉन्टिनेंटल कार्डिएक रोबोटिक टेली-सर्जरी है। यह ररकमंत्रा 3 की क्षमताओं का प्रमाण है और यह जटिल कार्डिएक देखभाल को वैश्विक रूप से सुलभ बनाने का मार्ग प्रशस्त करता है।डॉ. मोहित भंडारी ने कहा, एक जटिल गैस्ट्रिक बाईपास को महाद्वीपों के पार बैठकर करना, सर्जिकल विज्ञान में एक परिवर्तनकारी क्षण है। यह केवल तकनीकी दक्षता नहीं है, बल्कि गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा तक पहुंच में अंतर को पाटने की बात है। ररकमंत्रा की सफलता यह साबित करती है कि सुरक्षित, सटीक और समावेशी सर्जरी का भविष्य भारत में आकार ले रहा है। एसएस इनोवेशन्स इंटरनैशनल का एसएसआई मंत्रा रोबोटिक सिस्टम अपनी अत्याधुनिक टेली-सर्जरी क्षमताओं के साथ पारंपरिक बाधाओं जैसे यात्रा, समय, लागत, और विशेषज्ञ सर्जन की अनुपलब्धता को दूर करता है।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागुराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

छत पर फोन से बात करने गई महिला की हाईटेंशन तार की चपेट में आने से मौत

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सरायखाजा थानांतर्गत ग्राम देवकली में शनिवार की शाम हाईटेंशन तार की चपेट में आने से 30 वर्षीय एक महिला की झुलस कर मौत हो गयी। जानकारी के मुताबिक देवकली गांव निवासी निशा 30 वर्ष पत्नी अनिल शनिवार की शाम 6 बजे पड़ोसी मुरारी लाल के यहां किसी काम से गई थी वहां पर उसके मोबाइल पर किसी का फोन आया। मोबाइल का नेटवर्क न होने से वह पड़ोसी की छत पर बात करने के लिए चली गयी। जहां पर हाई टेंशन तार जो छत के काफी करीब था उसके चपेट में निशा आ गई। हाई टेंशन तार ने निशा को खींच लिया जिसके कारण निशा काफी झुलस गई और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। आनन फानन में घरवालों ने उसे निजी वाहन से जिला अस्पताल पहुंचाया जहां पर डॉक्टरों ने देखते ही उसको मृत घोषित कर दिया। वही मौके पर सराय ख्वाजा पुलिस ने लाश को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम हेतु भेज दिया। वही महिला की मौत की खबर सुनते ही परिवार में कोहराम मच गया। आजकल बरसात में हाई टेंशन तार और बिजली के तारों से दूरी बनाने से ही सतर्कता है क्योंकि बरसात में अक्सर पानी का रिसाव या पानी की वजह से करंट उतर जाता है। जिसकी वजह से रोज हादसे होते रहते हैं। लोगों को चाहिए कि वह बरसात में विशेष सतर्कता बरते।

जौनपुर में हरियाली तीज पर अतुल्य वेल्फेयर ट्रस्ट परिवार ने आयोजित किया कार्यक्रम

मुख्य अतिथि किन्नर कल्याण बोर्ड की सदस्य महामंडलेश्वर माँ कंकेश्वरी नंदगिरी ने किया कार्यक्रम का उद्घाटन

भगवान शिव, पार्वती और गणेश जी की पूजा अर्चना के साथ कार्यक्रम की किया शुरूआत

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। हरियाली तीज के अवसर पर अतुल्य वेल्फेयर ट्रस्ट परिवार द्वारा शहर के एक लॉन में कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर सभी सुहागन महिलाओं ने हरे रंग के वस्त्र और हरी चूड़ियां पहनकर श्रृंगार किया। महिलाओं ने भोले बाबा के गीत गाकर अपने पति की लंबी आयु की कामना की। ट्रस्ट द्वारा सभी महिलाओं को पान खिलाकर पुरानी परंपरा का निर्वहन किया गया, जो वर्तमान समय में विलुप्त होती जा रही है।

इस वर्ष का हरियाली तीज कार्यक्रम विशेष रहा। ट्रस्ट परिवार की महिलाओं के साथ-साथ कंकेश्वरी नंदगिरी के नेतृत्व में किन्नर समाज का एक समूह भी सुहागिनों के साथ शामिल हुआ। ट्रस्ट परिवार ने कंकेश्वरी नंदगिरी के हाथों से सभी महिलाओं को सुहाग का सामान उपहार स्वरूप प्रदान किया।

महामंडलेश्वर कंकेश्वरी नंदगिरी ने अतुल्य वेल्फेयर ट्रस्ट की अध्यक्ष उर्वशी सिंह की सराहना की। उन्होंने कहा कि उर्वशी सिंह किन्नर समाज के लिए शौचालय की मांग, घर-घर जाकर रजिस्ट्रेशन कराना और उन्हें मुख्यधारा से जोड़ने का कार्य कर रही हैं। उन्होंने आश्वासन दिया कि भविष्य में पूरा किन्नर समाज ट्रस्ट परिवार के साथ खड़ा रहेगा।

कार्यक्रम में सभी सुहागिन महिलाओं को सिंदूर, बिंदी, मेंहदी और चूड़ियां देकर आशीर्वाद दिया गया। महिलाओं ने विभिन्न खेलों का आनंद लिया। झूला झूलने के साथ-साथ तरह-तरह के मिठाई और खाने-पीने के व्यंजनों का भी आनंद लिया।

कार्यक्रम में सभी सामाजिक, राजनीतिक, शिक्षक, डॉक्टर और व्यापारी वर्ग की महिलाएं उपस्थित रहीं। इनमें डॉ. विजय लक्ष्मी पटेल, डॉ. सुष्मिता सिंह, डॉ. पूजा यादव, डॉ. स्वाति यादव, डॉ. तुलिका मौर्य, डॉ. श्वेता गुप्ता, सबिता गुप्ता, कंचन सिंह, राधिका सिंह, मीरा अग्रहरी और अर्चना सिंह शामिल थीं क्षमा सिंह। किन्नर समाज से पायल, डॉली जोशी, किरण और शालू सहित अन्य महिलाएं भी मौजूद रहीं।

जमीन विवाद में बेटे ने कुल्हाड़ी से काटकर की माता, पिता और बहन की हत्या

गाजीपुर(उत्तरशक्ति)। शहर कोतवाली क्षेत्र के डिलिया गांव के अहीरपुरवां टोला में बेटे ने जमीनी विवाद में अपने मां, बाप और बहन की हत्या कर दी गई। पड़ोसियों की सूचना पाकर मौके पर पुलिस पहुंच गई। वहीं, आरोपी युवक भाग गया। पुलिस उसकी तलाश करने के साथ ही घटना की तफ्तीश कर रही है। पुलिस ने तीनों लाशों को कब्जे में ले लिया है। हत्या का कारण घरेलू विवाद बताया गया है। पुलिस कई बिन्दुओं पर पड़ताल कर रही है।

पड़ोसियों ने बताया कि चीख-पुकार सुनकर हम लोग पहुंचे थे। अभय यादव ने विवाद में कुल्हाड़ी से अपने पिता शिवराम यादव (70), माता जमुनी देवी (65) और बहन कुसुम (35) को गंभीर रुप से घायल कर दिया था। जिनका इलाज के दौरान मौत हो गया। घटना के बाद अभय यादव भाग गया।

ट्रिपल मर्डर की सूचना पाकर घटनास्थल पर एसपी डॉक्टर ईरज राजा, एएसपी सिटी ज्ञानेंद्र नाथ प्रसाद और सीओ सिटी शेखर सिंगर सहित पुलिस बल पहुंच गई। मौके से एक कुल्हाड़ी भी बरामद की गई है। बताया जा रहा है कि एक महीने पहले पिता ने अपनी बेटी कुसुम को 15 बिस्वा जमीन लिख दी थी। इसी को लेकर घर में आए दिन विवाद हो रहा था। शिवराम के पास कुल तीन बीघा जमीन है। पड़ोसियों ने बताया कि 15 साल पहले कुसुम की शादी हुई थी लेकिन पति ने छोड़ दिया। तभी से वह मायके में अपने माता-पिता के साथ रह रही थी। इस बीच आठ वर्ष पहले दूसरी शादी कर ली। इसके बाद भी वह अपने मायके में दोबारा आकर रहने लगी। भाई को यह नापसंद था। यह नाराजगी तब और बढ़ गई जब शिवराम ने कुसुम को जमीन का एक हिस्सा दे दी। अभय पिता के इस फैसले से नाराज हो गया। रविवार की सुबह उसने मां जमुनी, पिता शिवराम और बहन कुसुम को कुल्हाड़ी से दौड़ा-दौड़ा कर लहूलुहान कर दिया। पड़ोसी जब पहुंचे तो आरोपी मौके से भाग गया। तब तक गंभीर रूप से घायल तीनों लोगों की मौत हो चुकी थी। पुलिस अधीक्षक ईरज राजा ने बताया कि जमीनी विवाद को लेकर यह ट्रिपल मर्डर हुआ है। आरोपी को पकड़ने के लिए तीन टीमें गठित की गयी हैं, शीघ्र ही उसे गिरफ्तार कर लिया जायेगा।

सिकरारा पुलिस ने तमंचा व कारतूस के साथ आरोपी को किया गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। प्रभारी निरीक्षक सिकरारा के नेतृत्व में थाना सिकरारा पुलिस टीम द्वारा मुखबीर की सूचना के आधार पर एक आरोपी निखिल सिंह पुत्र प्रेमचन्द सिंह निवासी ग्राम खानापट्टी थाना सिकरारा जनपद जौनपुर को एक तमंचा .315 बोर व दो जिन्दा कारतूस .315 बोर के साथ दिनांक 26.07.2025 को ग्राम गोसाइंगंज वफासला के करीब से गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारी व बरामदगी के आधार पर अभियोग पंजीकृत कर आवश्यक विधिक कार्यवाही करते हुए चालान न्यायालय किया गया।

कांवरियों से भरी ऑटो एवं पिकअप की टक्कर में नौ कांवरिया हुए घायल

सोनभद्र(उत्तरशक्ति)। घोरावल कोतवाली क्षेत्र के पेढ़ ग्राम स्थित हड़हिया पहाड़ी मोड़ के पास कांवरियों से भरी ऑटो एवं पिकअप की जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भयानक थी की ऑटो पलट गई। जिस वजह से ऑटो में सवार नौ कांवरिया घायल हो गए। जिन्हें आनन-फानन में लोगों की मदद से सीएचसी घोरावल में भर्ती कराया गया। जहां प्राथमिक इलाज के बाद डॉक्टरों ने गंभीर स्थिति को देखते हुए दो महिलाएं को रेफर कर दिया। मिली जानकारी के अनुसार शनिवार को शाम घोरावल से कांवरियों को लेकर एक आटो मिर्जापुर की तरफ जा रही थी कि घोरावल कोतवाली क्षेत्र के पेढ़ ग्राम स्थित हड़हिया पहाड़ी के पास अचानक सामने से पिकअप आ जाने से दोनों में आमने-सामने टक्कर हो गई। जिससे ऑटो पलट गई तथा उस पर सवार नौ कांवरिया घायल हो गए।

घायलों में 38 वर्षीय सुभावती पत्नी रामसुख तथा 32 वर्षीय बाबी पत्नी संतोष निवासी ग्राम गुरहवा ग्राम पंचायत पेढ़ कोतवाली घोरावल सोनभद्र को जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया। जबकि संतोष रामसखा निवासी ग्राम मधका कोतवाली घोरावल सोनभद्र घायलों का इलाज घोरावल सामुदायिक

(35) पुत्र जग्गा, फूलमती (45) पत्नी रामजतन, प्रभावती (40) पत्नी दुर्गा, सत्यम (12) पुत्र रामजतन, संतरा देवी (35) पत्नी कन्हैया निवासी ग्राम गुरहवा ग्राम पंचायत पेढ़ कोतवाली घोरावल सोनभद्र घायलों का उपचार घोरावल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में किया जा रहा है। वही मुकेश (22) पुत्र शंकर ग्राम फुलवारी एवं सुजीत (16) पुत्र स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कर किया गया। घटना की बाबत कोतवाली प्रभारी निरीक्षक रामस्वरुप वर्मा ने बताया कि गंभीर रूप से घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद जिला चिकित्सालय के लिए रेफर कर दिया गया तथा अन्य घायलों का इलाज घोरावल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में किया गया तथा उपचार के बाद उन्हें वापस घर भेज दिया गया है।

नकली दवा बेचने वालों के खिलाफ ड्रग इंस्पेक्टर की कार्रवाई से जौनपुर में मचा हुआ है हड़कंप

नकली दवा बेचने के आरोप में विक्रेता पर कोर्ट में दाखिल होगा परिवाद

डॉ.इम्तियाज अहमद

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। शहर के कुछ नामी गिरामी दवा विक्रेताओं द्वारा आम जनता के स्वास्थ्य के साथ खुलेआम खिलवाड़ किया जा रहा है यह बाते तब सामने आई जब जिले में नए नए औषधि निरीक्षक ने इसका फंडा फोड़ किया। ज्यादातर मेडिकल संचालक अधिक धन कमाने के चक्कर में वह खुलेआम अधोमानक वाली नकली दवाओं की बिक्री अपने ही काउंटर से कर रहे हैं। जिला औषधि निरीक्षक रजत कुमार पाण्डेय द्वारा भेजी गई तीन दवा के सैंपल में दो दवाएं नकली घोषित होने के बाद संबंधित फर्म के स्वामी के खिलाफ अब मुकदमा दर्ज कराने की तैयारी शुरू हो गई है। प्रदेश के आयुक्त औषधि प्रशासन ने इस संबंध में कड़ा निर्देश जारी किया हुआ है।

निर्देश के अनुपालन में जनपद के जिला औषधि निरीक्षक रजत पांडेय ने बीते 14 जुलाई को एक सर्जिकल एंड मेडिकल एजेंसी नईगंज का औचक निरीक्षण किया था। जांच के दौरान इस फर्म से तीन संदिग्ध औषधियों के नमूने संकलित कर जांच हेतु राजकीय प्रयोगशाला लखनऊ में भेजा गया था। जांच रिपोर्ट में दो दवाइयो के सैंपल सरकारी विश्लेषक द्वारा नकली घोषित कर दिया गया है। इस सम्बन्ध में ड्रग्स इंस्पेक्टर श्री पांडेय ने इस प्रतिनिधि को बताया कि विभाग नकली दवा बिजनेस करने वालो पर सख्त है।आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन द्वारा निर्देश दिया गया है कि ऐसे लोगों के खिलाफ कठोर से कठोर कार्यवाही करें। जल्दी ही विवेचना का नियमानुसार न्यायालय में परिवाद दाखिल किया जाएगा। औषधि निरीक्षक श्री पांडेय ने ज्वाइनिंग के दौरान ही अपनी औपचारिक वार्ता में बताया था कि मैं सरकार की नीति पर काम करूंगा सरकारी मंशा के अनुसार हम जनोपयोगी कार्य निरन्तर करते रहेंगे।हमने यहां कार्यभार ग्रहण करते ही यह दिशा निर्देश सभी दवा विक्रेताओं को निर्गत किया है कि मानक के विपरीत कोई भी दवा का वितरण नहीं होना चाहिए। उसके परिपालन में जिन दवा विक्रेताओं ने अनुपालन सुनिश्चित नहीं किया मेरे औचक निरीक्षण में पकड़े जाने पर उन्हें कठोर दण्डात्मक कार्यवाही के लिए तैयार होना होगा। इस संबंध में जिला औषधि निरीक्षक श्री पांडेय ने सभी दवा विक्रेताओं को कड़ी हिदायत देते हुए कहा कि किसी प्रकार का प्रशासनिक एवं राजनीतिक दबाव बनाने वाले विक्रेताओं को हम जनजीवन से खिलवाड़ नहीं करने देंगे। हमारा उद्देश्य जनजीवन को सुरक्षित रखना है और सरकारी मंशा के अनुरूप प्रभावी कार्रवाई हमारी प्राथमिकता में शामिल है। वहीं जिले में मेडिकल से हो रहे एक प्रकार के खासी के सिरप एवं अवैध मादक पदार्थों की बिक्री पर भी उन्होंने कहा की जानकारी होने पर ऐसे मेडिकल और दुकान दारों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी रजत पांडे मूलत?:प्रयागराज के रहने वाले हैं और उन्होंने जौनपुर में अपना कार्यभार संभालते ही नकली दवा कारोबारियों के बीच में खलबली मचा कर रख दी है।

69 लाख रुपये की तीन सड़क परियोजना का राज्यमंत्री गिरीश चन्द्र यादव ने किया शिलान्यास

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। रविवार को खेल एवं युवा कल्याण राज्यमंत्री (स्वतन्त्र प्रभार) गिरीश चन्द्र यादव ने मुख्यमंत्री नगरीय अल्पविकसित / मलिन बस्ती विकास योजना के अंतर्गत रुपए 69 लाख की लागत की तीन सड़क परियोजना का शिलान्यास किया।

जिन सड़कों का शिलान्यास किया उसमें प्रमुख रूप से मोहल्ला कालीकुती में मैहर देवी ओलंदगंज मार्ग पर मंशा देवी मंदिर के सामने से परमानतपुर हरिजन बस्ती तक नाली व इंटरलॉकिंग का निर्माण कार्य अनुमानित लागत रू 25.03 लाख। वार्ड रामनगर में मेन रोड महिला थाने के सामने से भगौती कालोनी सुभाष गौड़ के मकान तक इंटरलॉकिंग व नाली का निर्माण कार्य, अनुमानित लागत रू 21.85 लाख। वार्ड रामनगर में भागौती कालोनी में भगवान दास के घर से भैयालाल सोनकर के मकान तक इंटरलॉकिंग व नाली निर्माण कार्य अनुमानित लागत रू 22.29 लाख।

शिलान्यास के दौरान राज्यमंत्री (स्वतन्त्र प्रभार) ने स्थानीय लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रदेश कि योगी जी सरकार में विकास कार्य के लिए पैसे की कोई कमी नहीं है आम जनता की मूलभूत सुविधाओं को पूरा करना हमारी पहली प्राथमिकता है, सड़क, बिजली, जल, शिक्षा, स्वास्थ्य व आवास आदि क्षेत्रों में विभिन्न प्रकार की योजनाओं के माध्यम से हमारी सरकार ने व्यापक पैमाने पर काम किया है, जिसका लाभ सीधे जनता को मिल रहा है।

उन्होंने कहा कि सड़क निर्माण में गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं होगा, यदि आप लोगो कही लगता है कि निर्माण कार्य में लापरवाही हो रही है, मानक के अनुरूप निर्माण कार्य नहीं हैं तो उसकी जानकारी आप हमको दीजिए, उसके खिलाफ कड़ी कार्यवाही की जाएगी।

शिलान्यास के दौरान प्रमुख रूप से ओपी नेता, मनीष श्रीवास्तव, सरस गौड़, जयविजय सोनकर, कमलेश निषाद, सभासद सीपीन सिंह, दीपक मिश्रा, सरोज सिंह सहित आदि लोग मौजूद रहे।

कांग्रेस का ऐलान: वाराणसी में दालमंडी सड़क चौड़ीकरण का जनहित में करेंगे विरोध

◆ **कांग्रेस का जमीनी सर्वेक्षण अभियान 27 जुलाई से**

डॉ.एस.के. मिश्र

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। दालमंडी क्षेत्र में चल रहे सड़क चौड़ीकरण अभियान के विरोध में कांग्रेस पार्टी ने बड़ा कदम उठाया है। पार्टी ने इस मुद्दे की जमीनी सच्चाई जानने और इसे राजनीतिक-प्रशासनिक स्तर पर उचित स्थान दिलाने के लिए 12-सदस्यीय जमीनी सर्वेक्षण टीम गठित की है। यह टीम रविवार, 27 जुलाई से दालमंडी क्षेत्र में स्थानीय व्यापारियों, धार्मिक प्रतिनिधियों, महिला उद्यमियों और आम नागरिकों से संवाद शुरू करेगी।टीम का मुख्य उद्देश्य दालमंडी में स्थित मंदिर, मस्जिद, इमामबाड़ों आदि की वर्तमान स्थिति का तथ्यात्मक

विश्लेषण करना है। इसके साथ ही, प्रशासन द्वारा की गई तोड़फोड़ और नोटिस प्रक्रिया की वैधानिकता की समीक्षा की जाएगी। सर्वेक्षण के आधार पर एक व्यापक रिपोर्ट तैयार की जाएगी, जिसे एक ज्ञापन के रूप में प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल को सौंपा जाएगा। महानगर अध्यक्ष राघवेंद्र चौबे ने बताया कि यह प्रक्रिया केवल कागजी ज्ञापन तक सीमित नहीं रहेगी। पार्टी की 12-सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल से मुलाकात के लिए समय भी मांगा है, ताकि इस मुद्दे को और प्रभावी ढंग से उठाया जा सके। कांग्रेस ने बताया कि कांग्रेस का यह कदम दालमंडी क्षेत्र के निवासियों और व्यापारियों के हितों की रक्षा के लिए उठाया जा रहा है।

मई गांव में जल जीवन मिशन के अंतर्गत पानी टंकी के निर्माण कार्य का औचक निरीक्षण

सुशील गुप्ता

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। ज़िलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र ने तहसील सदर के मई गांव में जल जीवन मिशन के अंतर्गत पानी टंकी के निर्माण कार्य का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने पाया कि कार्य कई दिनों से बंद है इस स्थिति पर डीएम ने कड़ी नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने एक्सईएन जल निगम ग्रामीण को निर्देशित किया कि वे नियमित रूप से कार्यस्थल का निरीक्षण करें। साथ ही संबंधित कंपनी से समन्वय कर श्रमिकों की संख्या बढ़ाकर कार्य तेज गति से कराएं। डीएम ने चेतावनी दी कि अगर कार्य में तेजी नहीं आई तो प्रतिकूल संज्ञान लिया जाएगा। उन्होंने उपजिलाधिकारी को भी निर्देश दिया कि वे कार्य को शुरू कराएं और समयबद्ध तरीके से पूरा कराएं। इससे ग्रामीणों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराया जा सकेगा। निरीक्षण के दौरान संबंधित अधिकारी और कर्मचारी भी मौजूद रहे।

अंतर्गत पानी टंकी के निर्माण कार्य का औचक निरीक्षण

आंगनवाड़ी में नौकरी दिलाने के नाम पर महिला से ठगी, दो वर्ष बाद तीन पर मुकदमा दर्ज

रियाजुल हक, जौनपुर(उत्तरशक्ति)। तेजीबाजार थाना क्षेत्र के चोरहा गांव में तीन लोगों पर दो वर्ष बाद नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी करने का आरोप में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच पड़ताल में जुट गई है। सिकरारा थाना क्षेत्र के भुवाखुर्द गांव निवासिनी पूजा कुमारी ने न्यायालय में प्रार्थना पत्र देकर बताया कि नवम्बर 2023 में तेजीबाजार थाना क्षेत्र के चोरहा गांव में एक व्यक्ति से मुलाकात हुई और जान पहचान हो गई। उसने ने पूजा को बताया कि वह अध्यापक बन गया है और उसे आंगनवाड़ी में नौकरी दिलवा देगा जिसमें एक लाख रुपए लगेंगे। पूजा इस फरेब में फंस गई और धीरे धीरे उस व्यक्ति के खाते में और उसके लड़के और पत्नी के खाते में पैसा ट्रांसफर कर दिया। काफी दिन इंतजार करने पर नौकरी नहीं मिली। और पैसा लेने वाला भी अध्यापक नहीं है,इसका पता पूजा को चला तो वह अपने को ठगा महसूस करने लगी और जौनपुर न्यायालय का रुख किया, दो गवाहों के परीक्षण के बाद न्यायालय ने तेजीबाजार पुलिस को मुकदमा दर्ज करने का आदेश दिया। इस बाबत थानाध्यक्ष सत्येंद्र भाई पटेल ने बताया कि रामदवर, गीता, और गोलू के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और जांच पड़ताल कराया जा रहा।

शुद्ध शीतल पेयजल की सौगात

ब्लाक प्रमुख बदामा बेदी राम का सराहनीय कदम

जलालपुर, जौनपुर(उत्तरशक्ति)। शिक्षा एवं स्वास्थ्य के क्षेत्र में एक और सकारात्मक पहल करते हुए ब्लाक प्रमुख बदामा बेदी राम (जलालपुर, जौनपुर) के सौजन्य से बयालसी महाविद्यालय, जलालपुर में उच्च गुणवत्ता युक्त Voltas Stainless Steel Water Cooler की स्थापना की गई है। यह कूलर "long lasting stainless steel and faucets, low power consumption, tropicalised for efficient cooling even in hot Indian conditions" जैसे आधुनिक तकनीकी विशेषताओं से युक्त है, जो अत्यधिक गर्मी में भी विद्यार्थियों को शुद्ध एवं शीतल पेयजल उपलब्ध कराएगा। इस पहल का उद्देश्य बयालसी क्षेत्र में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना है, जिससे उनकी पढ़ाई बाधित न हो और वे ताजगी के साथ अध्ययन में निरंतर लगे रहें।

इस सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना का महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. अलकेश्वरी सिंह, समस्त शिक्षकगण एवं छात्र-छात्राओं ने हृदय से स्वागत किया। उन्होंने बदामा बेदी राम के इस योगदान की भूरि-भूरि प्रशंसा की।

भगवान भोले को प्रसन्न करने का महीना है सावन: राजलक्ष्मी

◆ **'आया सावन झूम के' कार्यक्रम हर्षोल्लास मनाया गया**

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। प्रयागराज संगम नगरी तीर्थराज प्रयाग में महिला भूमिहार समाज द्वारा आयोजित आया सावन झूम के कार्यक्रम हर्षोल्लास मनाया गया जिसमें सदस्यों ने पारंपरिक लोकगीत कजरी की रसधार में सावनी फुहार का जमकर आनंद उठाया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलित कर गणेश वंदना के साथ हुआ। कार्यक्रम में महिला भूमिहार समाज की संस्थापिका डॉक्टर राजलक्ष्मी राय, पूनम सिंह, चिंता राय, मधु राय, प्रिंसी राय, किरण शर्मा, अन्नू, नंदिता, सविता, अमृता,

सरोज सिंह, किरण राय सहित सैकड़ों महिलाओं ने उपस्थित होकर गीत, संगीत, नृत्य खेल का लुत्फ उठाया। इस अवसर पर राजलक्ष्मी राय 'सिम्पी' ने कहा कि सावन भगवान भोलेनाथ को प्रसन्न करने, साज श्रृंगार एवं उत्सव का महीना है। काशी का कण कण शिव भक्ति में लीन रहता है। सावन के महीने में प्रकृति मानसून की गोद में आनंदित होती है तो भला महिलाएं सावन में कैसे पीछे रह सकती हैं। बड़ी संख्या में हरे परिधानों में हाथों में मेंहदी और हरी हरी चूड़ियों से सज धजकर महिलाएं कार्यक्रम में शामिल हुई और सावनोत्सव का आनंद उठाया।

मथहा बारीपुर निवासी पं० अशोक पाण्डे के आवास पर रुद्राभिषेक संपन्न

भदोही (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश जनपद भदोही, तहसील ज्ञानपुर , पोस्ट बारी पुर निवासी पंडित अशोक पाण्डे के द्वारा सावन मास के उपलक्ष में रुद्राभिषेक का आयोजन किया गया यह आयोजन 26 जुलाई 2025 दिन शनिवार को रखा गया था । बता दें कि पंडित अशोक पाण्डे मुंबई के वडाला पूर्व स्थिति शांति नगर में सनातन धर्म प्रचार हेतु भजन कीर्तन मंडली चलाते हैं। वे अपने पैतृक गांव मथहा बारीपुर में रुद्राभिषेक अपने परिवार के साथ महादेव का रुद्राभिषेक पंडितों के मंत्रोच्चार के साथ जलाभिषेक किया भगवान शिव के मस्तक पर चंद्र सुशोभित रहता हैं । शीतलता भोलेनाथ को अतिप्रिय है । इसलिए महादेव पर दूध ,जल , नारियल पानी के मिश्रण से महादेव पर रुद्राभिषेक किया जाता है । जिससे भोलेनाथ अति खुशी होते हैं । भोलेनाथ की कृपा से रुद्राभिषेक पंडितों के द्वारा किया गया । जिसमे धर्म पत्नी श्रीमती मीरा अशोक पाण्डे, पुत्र कृष्ण चंद पाण्डेय, अनुरुद्ध पाण्डेय द्वारा किया गया यह जानकारी अशोक पाण्डे ने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से दी है।

श्रीकाशी विश्वनाथ धाम बनेगा प्लास्टिक मुक्त तीर्थ क्षेत्र

सुरेश गांधी

वाराणसी । श्री काशी विश्वनाथ धाम को अब प्लास्टिक मुक्त तीर्थ स्थल के रूप में विकसित किया जाएगा। धाम की पवित्रता, पर्यावरण की रक्षा और स्वच्छता को ध्यान में रखते हुए मंदिर प्रशासन ने एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है, जिसके तहत श्रद्धालुओं से अनुरोध किया गया है कि वे धाम में किसी भी प्रकार की प्लास्टिक सामग्री लेकर न आएं। प्रशासन की इस पहल का उद्देश्य काशी की आध्यात्मिक गरिमा को बनाए रखते हुए इसे एक नमूना स्वच्छ तीर्थ क्षेत्र के रूप में स्थापित करना है। अब से प्लास्टिक के लोटे, प्लास्टिक की डलिया, थैलियां, पूजा फूल प्लास्टिक में लाना, व पॉलीथिन जैसी वस्तुएं पूर्णतः प्रतिबंधित रहेंगी। श्रद्धालुओं को मिट्टी, धातु या कागज के पर्यावरण अनुकूल विकल्प लाने की सलाह दी गई है।

धाम के मुख्य कार्यपालक अधिकारी विश्वभूषण मिश्र ने जानकारी देते हुए कहा : श्री काशी विश्वनाथ धाम एक आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और पर्यावरणीय धरोहर है। यहां प्रतिदिन हजारों श्रद्धालु आते हैं और बड़ी मात्रा में प्लास्टिक का उपयोग होता है, जिससे न केवल परिसर गंदा होता है, बल्कि यह गंगा नदी के पर्यावरण को भी प्रभावित करता है। इसी को देखते हुए प्रशासन ने निर्णय लिया है कि अब परिसर में प्लास्टिक से बनी कोई भी सामग्री नहीं लाने दी जाएगी। 11 सितम्बर से यह व्यवस्था स्थायी और सख्ती से लागू किया जाएगा। उन्होंने यह भी बताया कि जागरूकता के लिए धाम परिसर और आस-पास के क्षेत्रों में सूचना पट, बैनर और स्वयंसेवकों की टीम तैनात की जा रही है। साथ ही दुकानदारों और स्थानीय व्यापारियों को भी इस आदेश का पालन करने का निर्देश दिया गया है। श्रद्धालुओं से अनुरोध किया गया है कि वे पूजन सामग्री के लिए पीतल, स्टील या मिट्टी के पात्र, कागज या सूती कपड़े की थैलियों का उपयोग करें। साथ ही, फूल और अन्य पूजन वस्तुएं भी प्राकृतिक या जैविक तरीके से समेटकर ही लाएं। मंदिर प्रशासन की ओर से जल्द ही स्थानीय विक्रेताओं को भी वैकल्पिक सामग्री की आपूर्ति हेतु निर्देशित किया जाएगा। धार्मिक भावना के साथ आए श्रद्धालुओं ने इस निर्णय को सराहा है। प्रयागराज से आए श्रद्धालु राकेश तिवारी कहते हैं : यह निर्णय बहुत स्वागत योग्य है। प्लास्टिक से गंदगी फैलती है और गंगा जी भी प्रभावित होती हैं। मिट्टी के बर्तन और थैले पहले भी इस्तेमाल होते थे, अब हमें उसी पर लौटने की जरूरत है। काशी की स्थानीय महिला श्रद्धालु निर्मला देवी ने कहा : हम तो पहले से ही अपने घर से थाली, लोटा और पूजा सामग्री साथ लाते हैं। प्रशासन का यह कदम सराहनीय है, इससे हमारी आस्था और पवित्रता की भावना और मजबूत होगी। यह निर्णय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा प्रेरित स्वच्छ भारत मिशन और सिंगल यूज प्लास्टिक मुक्त भारत की दिशा में स्थानीय प्रशासन की ठोस भागीदारी को भी दर्शाता है। काशी के आध्यात्मिक केंद्र को स्वच्छ, सुगंधित और पर्यावरणीय दृष्टि से सुरक्षित बनाने की दिशा में यह पहल मील का पत्थर साबित हो सकती है।

आरओ-एआरओ परीक्षा: 42 फीसदी अभ्यर्थी ही हुए शामिल, पेपर लीक की वजह से निरस्त हुई थी ये परीक्षा

विस्तार

समीक्षा अधिकारी (आरओ)/सहायक समीक्षा अधिकारी (एआरओ) प्रारंभिक परीक्षा-2023 में 42.29 फीसदी अभ्यर्थियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। इससे पहले 11 फरवरी 2024 को हुई इसी परीक्षा में 64 फीसदी अभ्यर्थी शामिल हुए थे। कम से कम तकरीबन सवा दो लाख अभ्यर्थी ऐसे हैं जो पिछली परीक्षा में तो शामिल हुए थे लेकिन डेढ़ साल बाद रविवार को पुनर्परीक्षा उन्होंने छोड़ दी।आरओ/एआरओ के 411 पदों पर भर्ती के लिए कुल 1076004 अभ्यर्थी पंजीकृत थे। 11 फरवरी 2024 को यह परीक्षा प्रदेश के 58 जिलों के 2387 केंद्रों में हुई थी। इस बार पुनर्परीक्षा प्रदेश के सभी 75 जिलों के 2382 केंद्रों पर आयोजित की गई जिसमें मात्र 42.29 फीसदी अभ्यर्थियों ने ही उपस्थिति दर्ज कराई। तकरीबन सवा दो लाख अभ्यर्थियों के पुनर्परीक्षा छोड़ने के पीछे कई कारण माने जा रहे हैं।

इस बार परीक्षा में काफी सख्ती की गई। पूरी परीक्षा आर्टीफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की निगरानी में कराई गई। एक-एक अभ्यर्थी की हर हरकत पर एआई के माध्यम से बारीक नजर रखी जा रही थी। सख्ती का आलम यह रहा कि अभ्यर्थियों को परीक्षा केंद्र में प्रवेश से पहले हाथ में बंधा कलावा तक उतारना पड़ा। अंगूठी और चेन भी उतारनी पड़ गई। बाइक की चाभी तक साथ ले जाने की अनुमति नहीं मिली।

बीजली कटौती से सिंचाई-पढ़ाई बाधित: माकपा

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार सिवान जिला अंतर्गत, महाराजगंज में स्थानीय शहर के माकपा कार्यालय पर मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के नेता व कार्यकताओं ने बैठक की। बैठक की अध्यक्षता अधिवक्ता रविंदर सिंह ने की ।सूखे की वर्तमान स्थिति को देखते हुए कम्युनिस्ट नेताओं ने किसानों को इससे निपटने पर चर्चा की। माकपा नेता भारत प्रसाद ने कहा कि क्षेत्र में लगातार बिजली कटौती से किसान और उनके बच्चे सिंचाई और पढ़ाई दोनों से परेशान है। माता नेताओं ने सभा कर सरकार व विभाग पर जमकर निशाना साधा। विभागीय लापरवाही के खिलाफ जमकर बरसे वक्ताओं ने आरोप लगाया कि विभाग के अधिकारी न तो फोन उठाते हैं और न ही खराब लाइन को समय से बनवाते हैं । क्षेत्रों में नियमित बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने, जनता का फोन रिसीव न करने वाले कर्मियों पर कार्रवाई करने और गरीब उपभोक्ताओं का बकाया बिजली बिल माफ करने की वकालत की । बैठक में कम्युनिस्ट नेता दयाशंकर द्विवेदी, इमाम अली साहब, जोगिंदर सिंह, अजय कुमार, इम्तियाज अली, आदि माता के लोग शामिल थे।

प्रजापति समाज ने श्रद्धा और गर्व के साथ मनाई भगवान दक्ष प्रजापति की जयंती

गुलामीपुर, कौशांबी। प्रजापति समाज द्वारा आज गुलामीपुर में भव्य रूप से महाराज भगवान दक्ष प्रजापति की जयंती समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता एडवोकेट बुधराम प्रजापति ने की, जबकि एडवोकेट भूपेंद्र प्रजापति मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। सभा को संबोधित करते हुए भूपेंद्र प्रजापति ने कहा कि भगवान दक्ष प्रजापति ब्रह्मा जी के सातवें मानस पुत्र थे और सृष्टि के प्रथम शासक माने जाते हैं। वे प्रजापति समाज ही नहीं, बल्कि समस्त मानव जाति के लिए पूज्य और आराध्य हैं। उन्होंने यह भी कहा कि सामाजिक विषमता और सामंती व्यवस्था के चलते प्रजापति समाज के गौरवशाली इतिहास को लंबे समय तक दबाया गया। भूपेंद्र प्रजापति ने यह भी कहा कि राजनीतिक पार्टियों और सामाजिक संगठनों ने केवल समाज

के वोट लिए, लेकिन समाज के महान आराध्य और महापुरुषों को वह पहचान नहीं दिलाई, जिसके वे हकदार थे। रामचंद्र विद्यार्थी प्रजापति, रत्नप्पा कुम्हार, महात्मा संतराम बीए प्रजापति जैसे महापुरुषों को आज भी इतिहास में उचित स्थान नहीं दिया गया है। समारोह में समाज के सैकड़ों लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। प्रमुख रूप से एडवोकेट धर्मेंद्र प्रजापति, अजय प्रजापति, एडवोकेट राजेंद्र प्रजापति, मुन्नू प्रजापति, नन्नू प्रजापति, गुड्डन प्रजापति, शास्त्री धीरज प्रजापति, मिठाई लाल प्रजापति, मनजीत सिंह प्रजापति, भोला आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य समाज को अपने गौरवशाली इतिहास से जोड़ना और नई पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक विरासत से परिचित कराना था।

इंद्रपुरा नर्सरी परिसर में हुआ पौधारोपण

इंद्रपुरा। मुख्यमंत्री वृक्षारोपण महा अभियान के तहत हरियाली तीज के अवसर पर रविवार को इंद्रपुरा नर्सरी परिसर में एक पेड़ मां के नाम पौधारोपण कार्यक्रम में उपखंड अधिकारी सुमन सोनल ने पौधारोपण किया और हरियालो राजस्थान मुहिम को आगे बढ़ाया। आयोजित इस कार्यक्रम में ग्रामीण महिलाओं द्वारा श्रावण मास के गीत गाकर कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रही रुद्र मैडम का स्वागत किया और उपस्थित सभी महिलाओ द्वारा एक पौधा मां के नाम अभियान को पूरा करते हुए एक-एक पेड़ भी यहां की इस भूमि पर लगाए गए। क्षेत्रीय वन अधिकारी धर्मवीर मिल के नेतृत्व में हुए इस वन महोत्सव कार्यक्रम में छात्राओं द्वारा कार्यक्रम की थीम पर रंगोली सजाई गई जिसको सभी ने सराहा ।उपस्थित जनों को संबोधित करते हुए उपखंड

अधिकारी ने पौधों के महत्व के बारे में बताते हुए शुद्ध हवा के लिए इस ऋतु में अधिक से अधिक पेड़ लगाने की बात कही, तो वही क्षेत्रीय वन अधिकारी ने वन महोत्सव का महत्व बताया और कहा उदयपुरवाटी ब्लॉक में एक लाख पौधारोपण का लक्ष्य रखा गया है साथ ही जियो टैगिंग का कार्य भी किया जा रहा है। अतः इस ऐप डाउनलोड कर के इस मुहिम से सभी से जुड़े क्योंकि प्रकृति से जुड़ाव करने का यह एक अभिनव प्रयोग है।

कार्यक्रम के दौरान माइनिंग के एसएमई रमेश कुमार, आयुर्वेद ब्लॉक चिकित्सा अधिकारी डॉ. राजेंद्र कुमावत,वनरक्षक मनीष कुमार मनोज खरबास,शंभू सिंह,सरोज देवी, सुरेश, पूनम,महावीर भाकर, रघुवीर सिंह सहित काफी संख्या में पुरुष व महिला उपस्थित रहे।

डॉक्टरेट की उपाधि से अलंकृत हुए पत्रकार मुन्ना त्रिपाठी

नई दिल्ली। दैनिक अखबार अखंड राष्ट्र के संपादक मंगलेश्वर त्रिपाठी मुन्ना त्रिपाठी को आज नई दिल्ली के इंडिया हावीटेड सेंटर के गुलमोहर ऑडिटोरियम में आयोजित एक भव्य कार्यक्रम में इटली के प्रख्यात विश्वविद्यालय, यूनिवर्सिटी ऑफ उवठएड द्वारा पत्रकारिता के क्षेत्र में डॉक्टरेट की उपाधि प्रदान की गई। रूस दूतावास की अधिकारी एलिना बर्मन, श्रीलंका दूतावास के मंत्री काउंसलर लक्ष्मेंद्र गेशन तथा नाइजीरियन दूतावास के कंसलटिंग डायरेक्टर कांगूना फिलिप के हाथों उन्हें प्रमाण पत्र दिया गया। इस अवसर पर चार्ल्स वाल्टर सोसाइटी फॉर इन्नोवेशन एंड रिसर्च के निदेशक डॉ अभिषेक पांडे, मीडिया टुडे के निदेशक अजय प्रताप सिंह तथा रिटायर्ड लेफ्टिनेंट कर्नल डोसे सेमा विशेष रूप से उपस्थित रहे।

कार्यकर्ता ही जीता सकते हैं चुनाव: सीग्रीवाल

भाजपा की कार्यशाला में विस चुनाव पर हुई चर्चा

वकील प्रसाद

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार सिवान जिला अंतर्गत, महाराजगंज में अनुमंडल के मोरा बाजार अपराह्न में भाजपा की कार्यशाला आयोजित हुई। जिसमें सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद थे। विधानसभा चुनाव को लेकर रणनीति और संगठनात्मक मजबूती को केंद्र में रखते हुए चर्चा की गयी। मुख्य अतिथि महाराजगंज के सांसद जनार्दन सिंह सीग्रीवाल ने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव भाजपा के लिए बेहद महत्वपूर्ण है और प्रत्येक कार्यकर्ता को पूरी निष्ठा और ऊर्जा के साथ मैदान में उतरना होगा।

आधारभूत ढांचा कार्यकताओं की मेहनत पर टिका है, और यदि हर कार्यकर्ता अपने स्तर पर लोगों से जुड़कर पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाए, तो सफलता निश्चित है। सीवान जिला संगठन पूर्वी के अध्यक्ष रणजीत गुप्ता ने संगठनात्मक ढांचे को मजबूत करने और बूथ स्तर पर सक्रियता बढ़ाने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि बूथ जीता, चुनाव जीता। इस मूल मंत्र को लेकर हर कार्यकर्ता को अभी से ही तैयारी में लग जाना चाहिए। कार्यशाला में विभिन्न वक्ताओं ने संगठन विस्तार, केंद्र व राज्य सरकार की योजनाओं को जनता तक पहुंचाने और विपक्ष के दुष्प्रचार का जवाब देने जैसे मुद्दों पर भी विचार रखे। इस अवसर पर बीजेपी नेता दिलीप कुमार सिंह, अवधेश पांडेय, सुजीत पांडे, सुप्रिया कुमारी ,अमरजीत सिंह, मिथलेश सिंह, चंदन दुबे, पंकज कुमार सिंह, त्रिपुरारी सिंह, शेषनाथ पैने, संजय कुमार कुशवाहा आदि भाजपा के लोग कार्यशाला में शामिल थे।

बिहार में पत्रकारों को पेंशन, यूपी के कलमकार क्यों रहें उपेक्षित

सुरेश गांधी

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। बिहार की नीतीश कुमार सरकार ने पत्रकारों के लिए बड़ा ऐलान किया है। अब तक 6 हजार रुपये की मिलने वाली पत्रकार सम्मान पेंशन को बढ़ाकर 15 हजार रुपये प्रतिमाह कर दिया गया है। इसके साथ ही मृतक पत्रकार के आश्रित पति व पत्नी को 3 हजार की जगह अब 10 हजार रुपये प्रतिमाह पेंशन देने के निर्देश जारी किए गए हैं। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने खुद इस फैसले की जानकारी ट्वीट कर सार्वजनिक की। इस निर्णय से बिहार के वरिष्ठ और वयोवृद्ध पत्रकारों को राहत मिलेगी, साथ ही पत्रकारिता को सामाजिक सुरक्षा का भाव भी मिलेगा। लेकिन यूपी में आज तक कोई ऐसी सुनियोजित राज्य स्तरीय पत्रकार पेंशन योजना नहीं बन पाई जो बिहार या हरियाणा की तरह राहत दे सके। ऐसे में एक बड़ा सवाल उत्तर प्रदेश, खासकर पूर्वांचल के पत्रकारों के मन में उठ रहा है, क्या काशी, गोरखपुर, प्रयागराज, लखनऊ जैसे पत्रकारिता के तीर्थस्थलों पर कार्यरत पत्रकारों को यह सम्मान और सुविधा कब मिलेगी? उत्तर प्रदेश में पत्रकारों की सुध कब ली जाएगी? जबकि बिहार सरकार ने पत्रकारों के सम्मान और सामाजिक सुरक्षा की दिशा में एक ऐतिहासिक और स्वागत योग्य फैसला लिया है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की यह घोषणा न केवल पत्रकारों के मनोबल को बढ़ाने वाली है, बल्कि अन्य राज्यों के लिए भी एक मिसाल है। खासकर वाराणसी, प्रयागराज, गोरखपुर जैसे पत्रकारिता के ऐतिहासिक केंद्रों में वर्षों से सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार, जो आज वृद्धावस्था, बीमारी और आर्थिक असुरक्षा से जूझ रहे हैं, उन्हें अब तक ऐसी कोई ठोस सुविधा या पेंशन योजना नहीं मिल सकी है। बिहार का यह कदम केवल पेंशन नहीं, एक नैतिक जिम्मेदारी के निर्वहन का संकेत है। उत्तर प्रदेश में पत्रकारों ने हर संकट में जनपक्षीय भूमिका निभाई है। अब समय है कि सरकार भी कलमकारों की पीड़ा को सुने, समझे और उन्हें वह सामाजिक सुरक्षा दे जिसकी वे वर्षों से हकदार हैं। हाशिए पर खड़े पत्रकारों को मुख्यधारा में लाना केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि लोकतंत्र की मजबूरी है। पत्रकारों को लोकतंत्र का चौथा स्तंभ कहा जाता है। खासकर उत्तर प्रदेश की पत्रकारिता परंपरा देश में सबसे सशक्त मानी जाती है। वे सत्ता, व्यवस्था और समाज के बीच सेतु बनकर न केवल सूचनाएं देते हैं, बल्कि जनहित के लिए जोखिम उठाते हैं, दबाव सहते हैं और कभी-कभी जान भी गंवाते हैं।

लाइव कॉलिंग से लोगों को ठगते थे शातिर, वाराणसी साइबर टीम ने मध्यप्रदेश से दो आरोपी दबोचे

सुरेश गांधी

वाराणसी। शेयर बाजार में निवेश का सपना दिखाकर लाखों की ठगी करने वाले दो शातिर ठगों को वाराणसी पुलिस की साइबर क्राइम टीम ने मध्य प्रदेश से गिरफ्तार किया है। आरोपी फर्जी वेबसाइट और मोबाइल एप के जरिये लाइव कॉलिंग के माध्यम से निवेशकों को जाल में फंसा कर मोटी रकम ऐंठते थे। इस गैंग ने एक वाराणसी निवासी से 7.11 लाख की ठगी की थी। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान रविंद्र सिंह उर्फ रवि ठाकुर (निवासी - भाटीखेड़ा, थाना जावर, सिहोर) और नितेश सिंह उर्फ नितेश सैंधव (निवासी - ताल्दी, थाना सोनकच, देवास) के रूप में हुई है। दोनों ने ह्ल फारेक्स इंवेस्टमेंटह्व, ह्लएफ एक्ट ग्रोह्व जैसे नामों से फर्जी प्लेटफॉर्म तैयार किए थे। डीसीपी क्राइम सरवणन टी. के अनुसार, एडीसीपी नीतू, एसीपी विदुष सक्सेना और साइबर थाना प्रभारी राकेश गौतम के नेतृत्व में गठित टीम ने तकनीकी साक्ष्य के आधार पर मध्य प्रदेश के कई जिलों में दबिश दी और दोनों आरोपियों को लाइव कॉलिंग के दौरान रंगे हाथ गिरफ्तार किया। गिरफ्तारी टीम में निरीक्षक राकेश गौतम, एसआई संजीव कुमार कनौजिया, आलोक सिंह, एएसआई श्यामलाल गुप्ता सहित कई पुलिसकर्मी शामिल रहे। पहले लाभ, फिर घाटा और आखिर में ब्लॉक, कॉल कर वेबसाइट पर डीमैट अकाउंट खुलवाते, पहले छोटे निवेश पर मुनाफा दिखाकर विश्वास जीतते, फिर बड़े इन्वेस्टमेंट कराकर अकाउंट प्रोटेक्शन और जीएसटी के नाम पर और रकम ऐंठते, अंत में संपर्क काटकर नए लोगों की तलाश शुरू कर देते. टकटकपुर अजय विहार कॉलोनी निवासी शैलेश अस्थाना ने साइबर थाना में तहरीर दी थी। उन्होंने बताया कि आरोपियों ने वेबसाइट पर उनका डीमैट खाता खोलकर ट्रेडिंग में घाटा दिखाया और जीएसटी सहित अन्य कारणों से 7.11 लाख की ठगी कर ली।

डीसीपी क्राइम की अपील है कि किसी भी अनजान वेबसाइट या ऐप पर डीमैट अकाउंट न खोलें, ट्रेडिंग से पहले हमेशा प्लेटफॉर्म का डेमो और प्रमाणिकता जांचें, निवेश की राशि बढ़ाने से पहले सतर्कता बरतें, पासवर्ड मजबूत रखें और टू-फैक्टर ऑथेंटिकेशन का उपयोग करें, पब्लिक वाई-फाई या साइबर कैफे से लॉगिन न करें, ऑर्डर बुक और बैंक स्टेटमेंट रोज जांचते रहे। अगर आप भी ऑनलाइन ट्रेडिंग कर रहे हैं, तो किसी भी

भारतीय जनभाषा द्वारा लगी कवियों की चौपाल

ठाणे। साहित्यिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक संस्था भारतीय जनभाषा प्रचार समिति ठाणे के तत्वावधान में शनिवार 26 जुलाई 2025 को मुन्ना भाई बिष्ट कार्यालय में कवियों की चौपाल लगाई ।उक्त चौपाल में कवियों ने जहां खूब कजरी सुनाई वहीं श्रावणी गीतों ने सभी को झूमने पर मजबूर कर दिया। चौपाल का शुभारंभ कवि एवं पत्रकार विनय शर्मा दीप के सरस्वती वंदना से हुआ तत्पश्चात संस्था अध्यक्ष नंदलाल क्षितिज,चेयरमैन रामप्यारे सिंह रघुवंशी,वरिष्ठ साहित्यकार रामजीत गुप्ता,श्रीधर मिश्र, अनिल कुमार राही,शिवशंकर मिश्र,लाल बहादुर यादव कमल, त्रिलोचन सिंह अरोरा, सुशील कुमार शुक्ल नाचीज, सुशील कुमार सिंह,डॉ वफा वारसी, विनय सिंह विनम्र,हीरालाल यादव, ताज मोहम्मद सिद्दीकी, डॉ शारदा प्रसाद दुबे शरतचन्द्र,अधिवक्ता अनिल शर्मा एवं वरिष्ठ साहित्यकार ओमप्रकाश सिंह मुख्य रूप से उपस्थित थे। उपस्थित सभी साहित्यकारों ने सावन माह के गीत, कजरी,छंद से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया ।कवियों की चौपाल का संचालन आर पी सिंह रघुवंशी ने किया ।कवियों की चौपाल राष्ट्रगीत से से समाप्त किया गया ।अंत में संस्था अध्यक्ष नंदलाल क्षितिज ने उपस्थित सभी साहित्यकारों का आभार व्यक्त किया।

हरियाली तीज पर किया पौधा रोपण

उदयपुरवाटी। मुख्यमंत्री वृक्षारोपण महाअभियान के तहत हरियाली तीज के अवसर पर रविवार को कस्बे के ढ़हरियां बावड़ी आयुष्मान आरोग्य मंदिर में स्टाफ को दिए गए लक्ष्य को पूर्ति करते हुए अमरूद,नींबु,तुलसी चांदनी,सेमल आदि के छायादार वह फलदार पौधे लगाए गए।

इस अवसर पर बोलते हुए चिकित्सा अधिकारी प्रभारी डॉ.राजेंद्र कुमावत ने बताया कि आज एक पेड़ मां के नाम पौधारोपण कार्यक्रम में शामिल होकर सभी जगह सामूहिक रूप से पेड़ लगाए जाएंगे,जो प्रकृति से जुड़ाव का नया सोपान होगा ।उन्होंने बताया कि आज की प्राप्त रिपोर्ट के अनुसार उदयपुरवाटी ब्लॉक के सभी आयुर्वेद औषधालयों में पौधारोपण कार्यक्रम हुआ और दिए गए लक्ष्य की पूर्ति करते हुए सभी ने अपनी जिम्मेदारी निभाई तथा कुल 505 पौधे आयुर्वेद औषधालयों और अन्यों जगहों पर रोपित किए गए।

चुंगी न. 3 पर हुए पौधारोपण कार्यक्रम में चिकित्सा अधिकारी प्रभारी डॉ राजेंद्र कुमावत के साथ स्टाफ के विजय कुमार शर्मा (कंपाउडर), योग प्रशिक्षक विकास कुमावत,ममता भोंकल,विवेक कुमार व प्रजापति धर्मशाला के अध्यक्ष फूलचंद लुहानीवाल उपस्थित रहे।

लल्लन तिवारी के जन्मदिन के उपलक्ष में वृक्षारोपण अभियान का शुभारंभ

वाराणसी। देश के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान राहुल एजुकेशन के चेयरमैन पंडित लल्लन तिवारी के जन्मदिन (20 जुलाई) के निमित्त रामधारी सिंह दिनकर सेवा समिति द्वारा विगत वर्षों की तरह इस वर्ष भी 60 दिनों तक चलनेवाले वृक्षारोपण अभियान का शुभारंभ हो चुका है। चंदौली जनपद के ब्लॉक चहनिया स्थित महुअर कला गांव में वृक्षारोपण का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर समिति मार्गदर्शक विधायक सुशील सिंह, संरक्षक राहुल तिवारी, मार्गदर्शक शशिपाल सिंह उर्फ घूरा सिंह, प्रदेश अध्यक्ष संदीप सिंह फौजी ,बब्बू सिंह प्रधान बृजेश बारी, डब्लू समेत सैकड़ो लोग उपस्थित रहे ।संस्था के सचिव मृत्युंजय सिंह दीपू ने बताया कि शिक्षासम्राट पंडित लल्लन तिवारी के जन्मदिन के उपलक्ष में 60 दिनों तक चलने वाला वृक्षारोपण अभियान पिछले वर्षों की तरह उत्तर भारत के कई राज्यों में चलाया जाएगा । संस्था द्वारा वर्ष 2017 से लल्लन तिवारी के जन्मदिन के उपलक्ष में वृक्षारोपण अभियान चलाया जा रहा है जिसके अंतर्गत अब तक 19,535 पेड़ लगाये जा चुके हैं।

महज 12 साल की नाबालिक लड़की से जिस्मफरोशी कराने वाले 3 बांग्लादेशी दलाल चढ़े क्राइम ब्रांच के हत्थे

- तारकेश्वर पांडे

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा भायंदर एमबी,वीवी पुलिस आयुक्तालय द्वारा मामला प्रकाश में आया है, जहां पर बांग्लादेशी दलाल बांग्लादेश से लडकीया लाकर वेश्या व्यवसाय के लिए मुंबई, कोल्हापुर, पुणे, सोलापुर,,गुजरात, ठाणे, मीरा भायंदर और वसई विरार जैसे शहरों में देहव्यापार के लिए बांग्लादेशी लडकियां सप्लाई करते थे। 3 बांग्लादेशी दलाल को गिरफ्तार किया गया, और एक 12 वर्षीय नाबालिक लड़की, तथा एक 21 वर्षीय, (टोटल 2) पीड़ित लड़कीयों को जिस्मफरोशी के जाल से निकाला गया। क्राइम ब्रांच की टीम ने बांग्लादेश और भारत के (3 दलाल)आरोपीयो को वांटेड बताया है। आज महाराष्ट्र के ठाणे जिले के एम बी वीवी पोलीस आयुक्तालय, ए एच टीसी के सीनियर पीआई देवीदास हंडोरे को गुप्त सूचना मिली थी की , पालघर जिले के वसई ईस्ट, नायगांव पोलीस स्टेशन की हद में रश्मि स्टार सिटी बिल्डिंग नंबर 4 के एक फ्लैट में बांग्लादेशी एजेंट ने बांग्लादेशी नाबालिक और मेजर लडकियो से जिस्मफरोशी का कारोबार करा रहा है। तब

एएचटीसी, मीरा भायंदर के सीनियर पीआई देवीदास हंडोरे, और एएचटीसी की टीम ने वसई ईस्ट, नायगांव, रश्मि स्टार सिटी बिल्डिंग नंबर 4 के एक फ्लैट में बोगस ग्राहक बनकर पांच को भेजकर ट्रैप लगाकर छापा मारा, क्राइम ब्रांच की टीम ने छापे में 3 बांग्लादेशी दलालों को धर दबोचा, हिरासत में लेकर उक्त 3 बंग्लादेशी दलालों के चंगुल से एक नाबालिक 12 वर्षीय और एक मेजर 21वर्षीय पीडीत, 2 लड़कीया विक्टिम को सुरक्षित जिस्मफरोशी के दलदल से रेस्क्यू किया गया। बताया जा रहा है कि, बांग्लादेशी

दलाल बांग्लादेश से लडकिया लाकर गुजरात, पुणे, सोलापुर ,कोल्हापुर , मुंबई, ठाणे, मीरा भाईदर, वसई_विरार की लॉजिंग बोर्डिंग में जिस्मफरोशी के लिए लडकिया सप्लाई करते थे।

जुबेर नाम का बांग्लादेशी एजेंट पीटा एक्ट केस में आठ साल ठाणे जेल में बंद था, और केस डिस्चार्ज होने के बाद जेल से छुट जाने के बाद वापस जिस्मफरोशी के लिए बांग्लादेशी लडकिया लॉजिंग बोर्डिंग में सप्लाई करने का कारोबार चालू कर दिया।

क्राइम ब्रांच की टीम ने बांग्लादेश के और भारत के 3 मोस्ट एजेंटो को वांटेड बताया है। क्राइम ब्रांच की टीम ने जिस्मफरोशी के कारोबार के लिए बांग्लादेशी आरोपियों के द्वारा यूज किए जाने वाले 3 मोबाइल हैंडसेट, 100 कंडोम पैकेट, और अन्य मुद्देमाल सामग्री भी जब्त कि है।

अब क्राइम ब्रांच की टीम 3 गिरफ्तार बांग्लादेशी दलाल और 3 वांटेड दलाल (बांग्लादेश और भारत) आरोपीयो के उपर इठर 96, 98, 143(3), 143(4), 144, 3(5) की धारा व पीटा एक्ट 3,4,5,6 की धारा, पोक्सो एक्ट 12,17,18 , जे जे एक्ट 81,87 के तहत कानूनी कारवाई और 2 पीडीत लडकीयो (12 वर्षीय नाबालिक, और 21 वर्षीय मेजर लड़की को सुरक्षित महिला सुधारगृह में भेजने की कानूनी प्रकिया शुरू है।

पीटा एक्ट और पोक्सो एक्ट के तहत कानूनी कारवाई,एमबीवीवी, पोलीस आयुक्तालय के वरीष्ठ अधिकारियो, एवं, क्राइम ब्रांच के डीसीपी संदीप डोईफोडे, और एसीपी मदन बल्लाल, के मार्गदर्शन में एएच टीसी, के सीनीयर पीआई देवीदास हंडोरे, पी एसआई, प्रकाश तुपलोड़े,पी एस आई,अनिल पवार, पीएस आईं, रामचंद्र पाटील, एएसआई, राजू भोइर , शिवाजी पाटील, राजाराम आसवले , एचसी किशोर पाटील ,चेतन राजपुत ,महिला पोलिस एचसी निशिगंधा मांजरेकर, तृशा कटकघोंड, और एएचटीसी मीरा भायंदर की टीम ने सयुंक्त रूप से यह कारवाई किया है।

सामनेघाट के मारुति नगर में 900 वर्गफीट का अवैध निर्माण ध्वस्त

बिना मानचित्र स्वीकृति के चल रहा था निर्माण, वीडीए की सख्त कार्रवाई

-सुरेश गांधी

वाराणसी. वाराणसी विकास प्राधिकरण (वीडीए) ने रविवार को जोन-4 के अंतर्गत आने वाले नगवां वार्ड स्थित सामनेघाट के मारुति नगर क्षेत्र में 900 वर्गफीट में हो रहे अवैध निर्माण पर बुलडोजर चला दिया। अज्ञात निर्माणकर्ता द्वारा यह निर्माण कार्य बिना लेआउट एवं मानचित्र स्वीकृति के कराया जा रहा था। वीडीए उपाध्यक्ष के निर्देश पर यह कार्रवाई उत्तर प्रदेश नगर नियोजन एवं विकास अधिनियम, 1973 की सुसंगत धाराओं के अंतर्गत की गई। कार्रवाई के दौरान मौके पर जोनल अधिकारी संजीव कुमार, अवर अभियंता आदर्श निराला, प्रवर्तन दल के अधिकारी-कर्मचारी, समस्त सुपरवाइजर तथा स्थानीय पुलिस बल तैनात रहा। ध्वस्तीकरण कार्यवाही शांतिपूर्ण ढंग से पूर्ण की गई।

जनता से की अपील, चेताया भीः वारा0णसी विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष पुलकित गर्ग ने स्पष्ट चेतावनी देते हुए आम नागरिकों से अपील की है कि वे किसी भी प्रकार का निर्माण कार्य शुरू करने से पहले प्राधिकरण से लेआउट तथा मानचित्र की वैध स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर लें। उन्होंने कहा कि बिना स्वीकृति के कराए जा रहे निर्माण को अवैध माना जाएगा और ऐसी स्थिति में प्राधिकरण की ओर से कठोर कार्रवाई की जाएगी। किसी भी दशा में नियमों का उल्लंघन बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

अवैध निर्माण पर जीरो टॉलरेंस की नीतिः वीडीए प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि शहर की सुव्यवस्थित योजना और विकास के लिए अवैध निर्माण के विरुद्ध जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम किया जा रहा है। बीते कुछ महीनों में ऐसे कई निमार्णों पर कार्रवाई की जा चुकी है और आगे भी यह अभियान लगातार जारी रहेगा।

दक्षिणमुखी हनुमान एवं शिव मंदिर के प्रांगण में विशाल भण्डारा का आयोजन

भक्ति गीतों पर जमकर झूमे शिवभक्त, लगे गगनचुम्बी जयघोष

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। कचहरी रोड पर शेषपुर में स्थित ऐतिहासिक एवं प्राचीन दक्षिणमुखी हनुमान एवं शिव मंदिर के प्रांगण में विशाल भण्डारा का आयोजन हुआ। पूरे विधि विधान से वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पूजा, पाठ, हवन के साथ शाम को भण्डारा शुरू हुआ जो देर तक रात चला। इस मौके पर कार्यक्रम आयोजक गोलू निषाद ने कहा कि यह पवित्र मास देवों के देव महादेव का मास कहा जाता है, क्योंकि यह वही पवित्र मास है जिसमें माता गौरा भगवान शिव की पूजा करने लग गयीं फिर महादेव को अति प्रिय लगा। उस समय मलमास चल रहा था जिसे शिव जी ने उसे पुरूषोत्तम मास में परिवर्तित कर दिया। इसी क्रम में गुलशन निषाद ने कहा कि यह श्रावण मास पुरूषोत्तम मास है जिसे हम शिव मास भी कहा जायेगा। शिव के नाम पर मनुष्य जो भी करता है, वह पूर्ण का भागीदार होता है। इस दौरान जहां भक्ति गीतों पर शिवभक्त जमकर झूमे, वहीं गगनचुम्बी जयघोष से पूरा वातावरण गुंजायमान रहा। कार्यक्रम को सफल बनाने में राजकुमार निषाद, पिण्टू निषाद, अंकित, बब्बू, रामानन्द, प्रकाश निषाद, अजीत निषाद सहित तमाम लोगों का सहयोग सराहनीय रहा। कार्यक्रम का संचालन मनी जी ने किया। अन्त में गोलू एवं गुलशन ने समस्त आगंतुकों एवं सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

2025–26,CBSE द्वारा आयोजित ईस्ट जोन ताइक्वांडो चैम्पियनशिप 2025–26 का चार दिवसीय भव्य टूनामेंट

जौनपुर (उत्तरशक्ति)।इइए ईस्ट जोन ताइक्वांडो चैम्पियनशिप 2025इ26,इइए द्वारा आयोजित ईस्ट जोन ताइक्वांडो चैम्पियनशिप 2025इ26 का चार दिवसीय भव्य टूनामेंट नानक पब्लिक स्कूल, हरबसपुर, फूलपुर, जौनपुर में संपन्न हुआ। यह प्रतियोगिता 20 से 23 जुलाई तक चली, जिसमें उत्तर प्रदेश ईस्ट, बिहार एवं झारखंड क्षेत्र के 210 उइए मान्यता प्राप्त स्कूलों के लगभग 2200 छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया।इस प्रतिष्ठित टूनामेंट में नानक पब्लिक स्कूल के छात्र शौर्य शागर राय, पुत्र शैलेश बिहारी राय, निवासी जगदीशपट्टी, लाइनबाजार, जौनपुर ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए सिल्वर मेडल हासिल किया और आगामी उइए नेशनल ताइक्वांडो चैम्पियनशिप के लिए चयनित हुए। विद्यालय परिवार में शौर्य की इस उपलब्धि से उत्साह और गर्व का माहौल है। उन्हें विद्यालय की ओर से हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी गईं।इस अवसर पर विद्यालय के चेयरमैन सरदार मनमोहन सिंह, मैनेजर श्रीमती देवेंद्र कौर, कोऑर्डिनेटर प्रभु जोत सिंह, शारीरिक शिक्षक अनुपम श्रीवास्तव एवं वाइस प्रिंसिपल श्रीमती नीलम मिश्रा सहित समस्त अध्यापकगण, छात्रगण एवं प्रबंधन समिति उपस्थित रहे। प्रतियोगिता के माध्यम से जनपद में खेल के प्रति जागरूकता और उत्साह का संचार हुआ है।(चेयरमैन) नानक पब्लिक स्कूल हरबसपुर, फूलपुर, जौनपुर

कानपुर : मायके आई नई नवेली दुल्हन अचानक से गायब

डॉ.आबिद खान

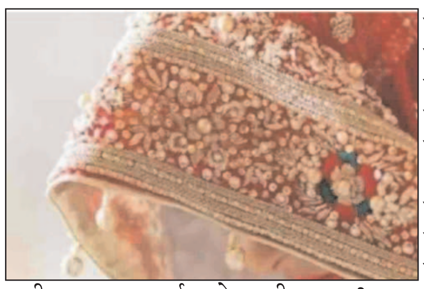

लखनऊ (उत्तरशक्ति)।उत्तर प्रदेश के कानपुर में मायके आई नई नवेली दुल्हन अचानक से गायब हो गई।खबर फैली तो पूरे इलाके में हड़कंप मच गया।ससुराल से वो यह कहकर गायब थी कि उसे रक्षाबंधन पर मायके जाना है।ससुराल वालों ने भी उसे बिना किसी झिझक के भेज दिया। मगर वो नहीं जानते थे कि उनकी बहू क्या कांड करने वाली है।मायके आते ही वो अपने बॉयफ्रेंड के साथ भाग गई।मामला बिल्हौर इलाके का है।युवती के लापता होने के बाद घर वालों ने उसकी काफी तलाश की. मगर उसका कुछ अता-पता न चल सका, फिर शक हुआ कि कहीं वो अपने बॉयफ्रेंड के साथ तो नहीं भाग गई।फिर पता चला कि उसका बॉयफ्रेंड भी गायब है, तब सभी का शक यकीन में बदल गया।युवती के पिता का कहना है कि वही लड़का उनकी बेटी को धमकाकर साथ ले गया है। क्योंकि वो लड़का बार-बार उसे शादी करने के लिए कह रहा था। फिलहाल मामले में पुलिस ने घर वालों की तहरीर पर मुकदमा दर्ज करके युवती की तलाश शुरू की है। गायब युवती के परिजनों ने पुलिस को बताया- हमारे घर के पास डाकखाना वाली गली में एक युवक रहता है।वो हमारी बेटी के पीछे पड़ा था।आए दिन उसे परेशान करता था। हमने फिर बेटी की शादी कहीं और करवा दी. घर वालों ने बताया कि 23 जुलाई को घर के सभी लोग किसी काम से बाहर गए थे तभी से उनकी बेटी गायब है।

बेटी ने घर पर कही थी ये बात

उन्होंने पुलिस को आरोपी युवक द्वारा पूर्व में की गई घटनाओं की जानकारी देते हुए कहा- शादी के पहले युवक कई बार उनकी बेटी के साथ देखा गया था। जिस पर बेटी ने अपने घर में यह बताया था कि युवक उसे बाहर अक्सर परेशान करता है। घर वालों का स्पष्ट रूप से कहना है कि वही लड़का उसे फिर से धमकाकर साथ ले गया है। बेटी के गायब होने के बाद से परिवार का बुरा हाल है। घरवालों ने इसकी जानकारी बेटी की ससुराल वालों को देने से भी डर रहे हैं उनका कहना है कि बेटी का बसा बसाया घर टूट जाएगा।

शादी से पहले था अफेयर

परिजनों ने बताया कि बेटी जब से मायके आई थी तब से युवक लगातार मिलने को कह रहा था।यह बात बेटी ने अपनी मां को बताई थी।युवती की मां ने बताया- बेटी ने मुझे फोन पर बताया कि वो लड़का जबरदस्ती उसे कहीं ले गया है। पुलिस के अनुसार अभी तक की तफ्तीश में यह बात सामने आई है की शादी से पहले युवक से युवती के अच्छे संबंध (अफेयर) थे। गांव में यह बात हर कोई जानता था,लेकिन युवती के घर वाले उसे पसंद नहीं करते थे।

अहरौली में दो सगे भाइयों की कुएं में डूबकर दर्दनाक मौत, खबर लगते ही शोक में डूबा गांव

अंबेडकरनगर(उत्तरशक्ति)। अहरौली थाना क्षेत्र से एक अत्यंत दुखद और हृदय विदारक घटना सामने आई है।जहाँ दो सगे भाई अभिजीत और शिवा की अहिरौली बाजार के पूर्वी छोर पर स्थित सरकारी ट्यूबवेल के बगल बने कुआं नुमा गड्ढे में नहाते समय डूबकर मौत हो गई, इस हादसे से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है। यह खबर मिलते ही स्थानीय लोग और परिवार के सदस्य सदमे में आ गए। इन मासूम बच्चों की असमय मृत्यु से पूरे गाँव में मातम पसर गया है।भाजपा नेता सुनील जायसवाल ने इस घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया है।उन्होंने पीड़ित परिवार के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त करते हुए उन्हें इस असहनीय दुख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना की, जायसवाल ने इस कठिन समय में परिवार को ढांढस बंधाने का प्रयास किया। इस घटना ने एक बार फिर खुले या असुरक्षित कुओं और गड्ढों की सुरक्षा पर सवाल खड़े कर दिए हैं।स्थानीय प्रशासन से ऐसी जगहों को सुरक्षित करने की मांग की जा रही है ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोका जा सके।

बेतिया का 'नन्हा योद्धा' एक साल के मासूम ने कोबरा को काटा, सांप की मौके पर मौत

बिहार(उत्तरशक्ति)। के बेतिया से हैरान कर देने वाली लेकिन दिल दहला देने वाली खबर सामने आई है, जहां एक साल के मासूम बच्चे ने अपनी मासूमियत में ऐसा करिश्मा कर दिखाया, जो किसी फिल्मी सीन से कम नहीं। दरअसल, खेलते-खेलते बच्चे के पास एक जहरीला कोबरा आ गया। बच्चे ने उसे खिलौना समझकर हाथ में उठा लिया और दांतों से काट लिया। हैरानी की बात यह है कि बच्चे की इस 'मासूम' हरकत से कोबरा की मौके पर ही मौत हो गई। कुछ देर बाद

बच्चा बेहोश हो गया। जिससे घरवालों के होश उड़ गए। आनन-फानन में उसे नजदीकी पीएचसी पहुंचाया गया, जहां से हालत गंभीर होने पर डॉक्टरों ने उसे बेतिया गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल रेफर कर दिया। फिलहाल, डॉक्टरों की टीम की सतर्क निगरानी में इलाज चल रहा है और बच्चे की हालत स्थिर बताई जा रही है।

सोशल मीडिया में वायरल हो रही है कहानी

इस अनोखी घटना की खबर तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है, जहां लोग इसे 'चमत्कार' और 'मां के आशीर्वाद का असर' बता रहे हैं। एक्सपर्ट्स भी हैरान विशेषज्ञों के अनुसार, यह घटना दुर्लभ मामलों में से एक है। आमतौर पर कोबरा के काटने से इंसान की जान बचना मुश्किल होता है, लेकिन यहां मामला उल्टा हो गया।

बिहार में पत्रकारों को पेंशन, यूपी के कलमकार क्यों रहें उपेक्षित?

वाराणसी. बिहार की नीतीश कुमार सरकार ने पत्रकारों के लिए बड़ा ऐलान किया है। अब तक 6 हजार रुपये की मिलने वाली पत्रकार सम्मान पेंशन को बढ़ाकर 15 हजार रुपये प्रतिमाह कर दिया गया है। इसके साथ ही मृतक पत्रकार के आश्रित पति व पत्नी को 3 हजार की जगह अब 10 हजार रुपये प्रतिमाह पेंशन देने के निर्देश जारी किए गए हैं। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने खुद इस फैसले की जानकारी ट्वीट कर सार्वजनिक की। इस निर्णय से बिहार के वरिष्ठ और वयोवृद्ध पत्रकारों को राहत मिलेगी, साथ ही पत्रकारिता को सामाजिक सुरक्षा का भाव भी मिलेगा। लेकिन यूपी में आज तक कोई ऐसी सुनियोजित राज्य स्तरीय पत्रकार पेंशन योजना नहीं बन पाई जो बिहार या हरियाणा की तरह राहत दे सके। ऐसे में एक बड़ा सवाल उत्तर प्रदेश, खासकर पूर्वांचल के पत्रकारों के मन में उठ रहा है, क्या काशी, गोरखपुर, प्रयागराज, लखनऊ जैसे पत्रकारिता के तीर्थस्थलों पर कार्यरत पत्रकारों को यह सम्मान और सुविधा कब मिलेगी? उत्तर प्रदेश में पत्रकारों की सुध कब ली जाएगी? जबकि बिहार सरकार ने पत्रकारों के सम्मान और सामाजिक सुरक्षा की दिशा में एक ऐतिहासिक और स्वागत योग्य फैसला लिया है।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की यह घोषणा न केवल पत्रकारों के मनोबल को बढ़ाने वाली है, बल्कि अन्य राज्यों के लिए भी एक मिसाल है। खासकर वाराणसी, प्रयागराज, गोरखपुर जैसे पत्रकारिता के ऐतिहासिक केंद्रों में वर्षों से सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार, जो आज वृद्धावस्था, बीमारी और आर्थिक असुरक्षा से जूझ रहे हैं, उन्हें अब तक ऐसी कोई ठोस सुविधा या पेंशन योजना नहीं मिल सकी है। बिहार का यह कदम केवल पेंशन नहीं, एक नैतिक जिम्मेदारी के निर्वहन का संकेत है। उत्तर प्रदेश में पत्रकारों ने हर संकट में जनपक्षीय भूमिका निभाई है। अब समय है कि सरकार भी कलमकारों की पीड़ा को सुने, समझे और उन्हें वह सामाजिक सुरक्षा दे जिसकी वे वर्षों से हकदार हैं। हाशिए पर खड़े पत्रकारों को मुख्यधारा में लाना केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि लोकतंत्र की मजबूरी है।

पत्रकार लोकतंत्र के प्रहरी, लेकिन स्वयं असुरक्षित पत्रकारों को लोकतंत्र का चौथा स्तंभ कहा जाता है। खासकर उत्तर प्रदेश की पत्रकारिता परंपरा देश में सबसे सशक्त मानी जाती है। वे सत्ता, व्यवस्था और समाज के बीच सेतु बनकर न केवल सूचनाएं देते हैं, बल्कि जनहित के लिए जोखिम उठाते हैं, दबाव सहते हैं और कभी-कभी जान भी गंवाते हैं। बावजूद इसके, बुजुर्ग हो चुके या दिवंगत पत्रकारों के परिवारों के लिए न सामाजिक सुरक्षा है, न कोई सुनिश्चित पेंशन योजना। वाराणसी जैसे शहर में अनेक वरिष्ठ पत्रकार, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी पत्रकार, ग्रामीण संवाददाता और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के प्रतिनिधि हैं, जो वृद्धावस्था में आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं। जब हरियाणा, छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश और अब बिहार जैसे राज्य पत्रकारों के लिए पेंशन, आवास, और चिकित्सा योजनाएं संचालित कर सकते हैं, तो उत्तर प्रदेश क्यों पीछे है?

ट्रस्ट ने सावन के शुभ अवसर पर स्कूली बच्चों को खीर खिलाने के बाद वितरित किया उपहार

-रियाजुल हक

जौनपुर (उत्तरशक्ति)।जिले की मशहूर मां शीतला धाम क्षेत्र की शीतला जी महारानी पुरोहित ट्रस्ट परिवार के बैनर तले एक प्रोग्राम हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी पवित्र सावन के शुभ अवसर पर एक विद्यालय में हुआ।इस मौके पर मदद के रूप में स्कूली बच्चों को लिफाफे दिए गए एवं उपहार भेंट किए गए वही उक्त स्कूली बच्चों को जरूरत के शिक्षण सामान भी दिए गए आयोजन में ट्रस्ट के मुख्य ट्रस्टी विद्याधर त्रिपाठी मन्नू गुरु और उनकी पत्नी मनोज कुमारी त्रिपाठी का विशेष सहयोग रहा। इस मौके पर मुख्य रूप से उग्रसेन दुबे,सरोज दुबे, नूतन उपाध्याय ,सत्य प्रकाश मिश्रा,आदर्श ,अनुश्रुति अधिवक्ता,प्रज्ञा ,श्वेता, डॉ कृतिका त्रिपाठी,दिनेश चन्द, नाटे शुक्ला,अवनीश तिवारी,अजय शुक्ला,आदर्श की पत्नी कृति त्रिपाठी,स्कूल के प्राचार्य आदि उपस्थित रहे।

उपमुख्यमंत्री शिंदे ने किया शंकराचार्य का पादुका पूजन

मुंबई (उत्तरशक्ति)। परमाराध्य परमधमार्धीश ज्योतिष्पीठाधीश्वर जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी श्री अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती जी महाराज का 56 वां जन्मदिवस आज यहां बोरीवली स्थित कोरा केंद्र मैदान पर धूमधाम से मनाया गया। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने महाराज श्री का पादुका पूजन किया और उन्हें गाय की प्रतिमा प्रदान की। इस अवसर पर सुप्रसिद्ध गायक उदित नारायण और सुप्रसिद्ध गायिका अनुराधा पौडवाल ने मनभावन भजनों की प्रस्तुति की। कार्यक्रम में विधायक प्रकाश सुर्वे, विधायक संजय उपाध्याय सहित देशभर से पधारे साधु संत व वशिष्ट हस्तियां उपस्थिति रहीं। शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने सभी को आशीर्वाद दिया और उन्होंने कहा कि गौ मता ही भारत की सत्य सनातन संस्कृति की रक्षा करेगी। इसलिए हम सभी को मिलकर गौमाता की रक्षा करनी है। अपने आशीर्वचन में उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र राज्य ने गौमाता को राजमाता का दर्जा देकर इतिहास रच दिया है। अब पूरे भारत में इतिहास रचना है। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि देश में गौमाता ही सनातन संस्कृति की रक्षा कर सकती है। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद गौमाता को राष्ट्र माता का दर्जा दिलाने के लिए अभियान चला रहे हैं, उनके साथ पूरा महाराष्ट्र खड़ा है। उल्लेखनीय है कि महाराष्ट्र में गौमाता को राजमाता का दर्जा देने के एकनाथ शिंदे के मुख्यमंत्रित्व काल के निर्णय पर उनका नाम स्वर्णाक्षरों में दर्ज कराने की शंकराचार्य ने घोषणा की है। इस पर प्रतिक्रया देते हुए श्री शिंदे ने कहा कि इसे मैं प्रसाद के रूप में स्वीकार करता हूं। यह अकेले एकनाथ शिंदे का नहीं बल्कि पूरे महाराष्ट्र की जनता का सम्मान है। उन्होंने यह भी कहा कि गौ माता के लिए इस तरह का साहसिक निर्णय लेने की प्रेरणा उन्हें स्वामीजी के ही कारण मिली। श्री शिंदे ने आगे कहा कि अन्याय के खिलाफ हिम्मत करनी होती है और महाराष्ट्र ने यह देखा है। इस अवसर पर राजकुमार जाजू और अभिषेक जाजू ने सपरिवार महाराजश्री को सोने का मुकुट पहनाया व अन्य आभूषण पहनाए। इससे पहले एम.एल. सोनी परिवार ने कन्या पूजन किया। जयकांत शुक्ला, अशोक साहू, अभिषेक जाजू आदि तुलादान किया। महाराजश्री के मीडिया प्रभारी योगीराज सरकार और चातुर्मास समिति के मीडिया प्रभारी शैलेंद्र श्रीवास्तव ने बताया कि शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंदजी इन दिनों बोरीवली पश्चिम में कोराकेंद्र मैदान पर चातुर्मास्य महामहोत्सव को सानिध्य प्रदान कर रहे हैं। उनके वर्धंती महोत्सव पर सुबह से ही उत्सव की धूम रही। ईश्वर पर कन्या पूजन जरूरतमंदों को छतरियों का वितरण, गायों को चारा खिलाने के साथ ही अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रम हुए।

माटुंगा के समाजसेवी, पत्रकार संजय मिश्रा बब्लू कांवड़ियों का करेंगे स्वागत आज

मुंबई (उत्तरशक्ति)। माटुंगा पूर्व के सामाजसेवी व पत्रकार संजय मिश्रा बब्लू के तरफ से दिनांक 28 जूलाई 2025 दिन सोमवार को सायन कोळीवाड़ा म्हाडा कॉलोनी में स्थित मां विंध्यवासिनी मंदिर के ट्रस्टी भरत भाई शुक्ला के नेतृत्व में कांवड़ यात्रा का आयोजन किया गया है। यह आयोजन प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी श्रावण मास के महिने में भारत के कोने कोने से बड़े धूमधाम से कांवड़ यात्रा निकाली जाती है। उसी तर्ज पर मां विंध्यवासिनी मंदिर के पदाधिकारियों एवं शिव भक्तों द्वारा किया जाता है। यह कावड़ यात्रा वालकेश्वर स्थित बाणगंगा से जल भर कर लगभग 15 किलोमीटर से पैदल तय कर के सायन कोळीवाड़ा म्हाडा कॉलोनी में स्थित विंध्येयश्वर महादेव पर जलाभिषेक किया जाएगा। उन शिव भक्तों के स्वागत के लिए समाजसेवी संजय मिश्रा बब्लू ने माटुंगा पूर्व पोस्ट ऑफिस के सामने पंडाल लगा कर स्वागत करेंगे। जिसमें मुख्य अतिथि भाजपा मुंबई प्रवक्ता प्रोफेसर डॉ दयानंद तिवारी, मुंबई प्रवक्ता उत्तर भारतीय समाज के नेता उदयप्रताप सिंह , दैनिक उत्तर शक्ति के संपादक ओमप्रकाश प्रजापति मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। साथ में संदीप चिवटे पूर्व शाखा प्रमुख , आशीष भाई, महेंद्र तिवारी, पिंटू , अनिल पटेल, भरत , संजय, अनिल, कश्यप , सांई , विक्रम , प्रेम त्रिपाठी सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहेंगे। यह जानकारी संजय मिश्रा बब्लू ने प्रेस विज्ञाप्ति के माध्यम से दी है।

तीर्थों की त्रिवेणी से राष्ट्रधर्म की यात्रा

काशी से रामेश्वरम ज्योतिलिंगों के बीच तीर्थ जल आदान-प्रदान की आध्यात्मिक परंपरा का शुभारंभ

वाराणसी. भारत की सनातन परंपरा सदियों से नदी, तीर्थ, परंपरा और पूजा के माध्यम से राष्ट्र को जोड़ती रही है। उसी कड़ी को पुनः जीवंत करते हुए रविवार को काशी और रामेश्वरम के दो पवित्र ज्योतिलिंगों के मध्य तीर्थ जल के पारस्परिक आदान-प्रदान की परंपरा का शुभारंभ किया गया। यह आयोजन न केवल उत्तर और दक्षिण भारत के आध्यात्मिक समन्वय का प्रतीक है, बल्कि राष्ट्रधर्म, श्रद्धा और सांस्कृतिक एकता की प्रेरणास्पद मिसाल भी है।

प्रयागराज के त्रिवेणी संगम से संग्रहीत पवित्र जल एवं रेत को विधिपूर्वक पूजन के पश्चात काशी रवाना किया गया, जिसे 28 जुलाई, श्रावण सोमवार को श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में भगवान विश्वेश्वर को समर्पित किया जाएगा। तत्पश्चात यह जल रामेश्वरम प्रतिनिधिमंडल को हस्तांतरित किया जाएगा, वहीं रामेश्वरम से प्राप्त पावन जल से श्रावण पूर्णिमा के दिन काशी में विशेष अभिषेक संपन्न होगा। यह अभिनव प्रयास काशी, प्रयागराज और रामेश्वरम : तीनों सनातन तीर्थ स्थलों को धर्म, संस्कृति और राष्ट्रभावना के सूत्र में जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस आयोजन की सार्थकता केवल धार्मिक अनुष्ठान में नहीं, बल्कि उस व्यापक संदेश में है जो यह समस्त भारत को देता है कि हमारी आस्था की धाराएं चाहे कहीं से भी बहें, उनका संगम राष्ट्र की एकता में ही होता है।

श्रीकाशी विश्वनाथ मंदिर के मुख्य कार्यपालक अधिकारी विश्वभूषण मिश्र ने बताया कि ये तीर्थ अब एक पवित्र परंपरा से और अधिक सुदृढ़ रूप में जुड़ने जा रहे हैं। श्री काशी विश्वनाथ ज्योतिर्लिंग और श्री रामेश्वरम ज्योतिर्लिंग के मध्य अब पवित्र तीर्थ जल का पारस्परिक आदान-प्रदान होगा, जो उत्तर और दक्षिण भारत की आध्यात्मिक एकता का अद्वितीय प्रतीक बनेगा। इस नवाचार के अंतर्गत प्रयागराज स्थित त्रिवेणी संगम से पवित्र जल एवं रेत तथा रामेश्वरम से प्राप्त कोडी तीर्थम सागर जल दोनों ही ज्योतिर्लिंगों पर श्रद्धा और भक्ति से पूजन व अभिषेक हेतु प्रयोग किए जाएंगे।

श्री काशी विश्वनाथ विशिष्ट क्षेत्र विकास परिषद्, वाराणसी के डिप्टी कलेक्टर एवं मंदिर न्यास प्रतिनिधियों ने त्रिवेणी संगम से विधिवत पूजन के उपरांत संगम जल एवं रेत का संग्रह किया। समारोह में प्रयागराज के अपर जिलाधिकारी सत्यम मिश्र, एडीएम श्री विवेक चतुर्वेदी, संत समाज व सैन्य आयुध भंडार के अधिकारी भी उपस्थित रहे। संगम जल को सुसज्जित वाहन से काशी के लिए रवाना किया गया।

सोमवार को यह पवित्र जल श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में भगवान श्री विश्वेश्वर को समर्पित किया जाएगा। तत्पश्चात विशेष समारोह में यह जल